हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 121, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 30 अक्टूबर, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

भारतवर्ष में आदिवासी योद्धाओं का समृद्ध इतिहास रहा है : मोदी

प्रधानमंत्री ने मन की बात के 106वें एपिसोड में देश को किया संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का आज 106वां एपिसोड प्रसारित हुआ। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री देश को संबोधित किया। आकाशवाणी पर मन की बात का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री ने एशियन गेम्स और पैरा एशियन गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की और साथ ही खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने गुजरात के अंबाजी मंदिर के रास्ते में बनीं प्रतिमाओं के बारे में दिलचस्प जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये प्रतिमाएं कबाड़ से बनी हैं। प्रधानमंत्री ने इसके बाद असम के कामरूप जिले में स्थित एक स्कूल का जिक्र किया, जहां के छात्र प्लास्टिक वेस्ट जमा करते हैं और उससे इको फ्रेंडली ईंटे और अन्य सामान बनता है। पीएम ने कहा कि इस पहल के जरिए बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारतवर्ष में आदिवासी योद्धाओं का समृद्ध इतिहास रहा है। देश अपने आदिवासी समाज का कृतज्ञ है, जिन्होंने राष्ट्र के स्वाभिमान और उत्थान को हमेशा सर्वोपरि रखा है। इनमें तिलका मांझी ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठायी। सिद्धो कान्हू ने समानता की आवाज उठाई। टंट्या भील पर हमें गर्व है और शहीद वीर नारायण सिंह को श्रद्धा से याद करते हैं। वीर रामजी गोंड हों, वीर गुंडाधुर या भीमा नायक, उनके साहस से हम आज भी प्रेरित होते हैं। अल्लूरी सीताराम राजू ने आदिवासियों में जो अलख जगाई, उसे देश आज भी याद करता है। उत्तर पूर्व में कियांग नोबांग और रानी गाइदिन्ल्यू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ही राजमोहिनी देवी और रानी कमलापति जैसी वीरांगनाएं भी हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा '30 अक्टूबर को गोविन्द गुरु जी की पुण्यतिथि भी है। हमारे गुजरात और राजस्थान के आदिवासी और वंचित समुदायों के जीवन में गोविन्द गुरु जी का बहुत विशेष महत्व रहा है। गोविन्द गुरु जी को भी मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। नवंबर महीने में हम मानगढ़ नरसंहार की बरसी भी मनाते हैं। मैं उस नरसंहार में, शहीद मां भारती की, सभी संतानों को नमन करता हूं।' '15 नवंबर को पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मनाएगा।' यह विशेष दिन भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती से जुड़ा है। भगवान बिरसा मुंडा हम सब के हृदय में बसे हैं। सच्चा साहस क्या है और अपनी संकल्प शक्ति पर अडिग रहना किसे कहते हैं, ये हम उनके जीवन से सीख सकते हैं। भगवान बिरसा मुंडा ने कभी विदेशी शासन को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ऐसे समाज के बारे में सोचा, जहां कोई अन्याय ना हो। भगवान बिरसा मुंडा ने प्रकृति के साथ सद्भाव से रहने पर भी जोर दिया। आज भी आदिवासी वर्ग के लोग प्रकृति की देखभाल और उसके संरक्षण के लिए समर्पित हैं। हम सब के लिए आदिवासी भाई-बहनों का काम बहुत प्रेरणादायी है।' पीएम मोदी ने कहा 'कन्याकुमारी के थिरु ए. के. पेरूमल जी का काम भी बहुत प्रेरित करने वाला है। उन्होंने तमिलनाडु के ये जो story-telling tradition है उसको संरक्षित करने का सराहनीय काम किया है। वे अपने इस मिशन में पिछले 40 सालों से जुटे हैं।

गरीब जनता को लूटकर साम्राज्य खड़ा करने वालों पर होगी कार्रवाई : भूपेंद्र चौधरी

कन्नौज। मन की बात कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गरीब जनता को लूटकर साम्राज्य खड़ा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा। भोलानाथ धर्मशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने भाग लिया। स्थानीय लोगों के साथ उन्होंने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा कि सपा ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं थीं। कांग्रेस ने रामलला के निर्माण में कई बार बाधाएं पैदा की। इसके बाद भी भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। प्रदेश में गरीब जनता की कमाई लूटकर अकूत संपदा बनाने वालों को बक्सा नहीं जाएगा। इस दौरान तिर्वा विधायक कैलाश राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरसिंह भदौरिया समेत कई लोग मौजूद रहे।

ईसाइयों की प्रार्थना सभा में जोरदार धमाके, एक की मौत, 36 घायल

एनार्कुलम। केरल के एनार्कुलम स्थित एक कन्वेंशन सेंटर में कई जोरदार धमाके होने की बात सामने आई है। कलामासेरी पुलिस ने बताया कि कलामासेरी में हुए विस्फोटों में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 36 लोग घायल हैं। जानकारी के अनुसार, कलामासेरी इलाके में ईसाइयों की प्रार्थना सभा हो रही थी, तभी एक के बाद एक कई धमाके हुए। धमाके के वक्त घटनास्थल पर 2000 लोग मौजूद थे, जिसमें से एक की मौत की खबर है। जहां घटना घटी, वहां यहोवा के साक्षियों की प्रार्थना हो रही थी। यहोवा के साक्षी ईसाई धर्म का ही एक संप्रदाय है। हालांकि, इनकी धार्मिक मान्यताएं मुख्यधारा के ईसाईयत से अलग होती हैं। कलामासेरी सीआई विबिन दास ने कहा कि पहला विस्फोट सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और उसके बाद अगले एक घंटे में कई विस्फोट हुए। 27 अक्टूबर को शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक का रविवार को आखिरी दिन था। अधिकारियों के मुताबिक, जब धमाके हुए तब 2,000 से ज्यादा लोग प्रार्थना सभा में शामिल हो रहे थे। केरल के डीजीपी डॉ शेख दरवेश ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि धमाके आईईडी डिवाइस से किए गए हैं। डीजीपी ने कहा कि रविवार सुबह लगभग 9:40 बजे जमरा इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर में एक विस्फोट हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 36 लोगों का इलाज चल रहा है। केरल में हुए धमाकों के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) ने विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्रियों को इकट्ठा करने और जांच करने के लिए अपनी एक बम निरोधक टीम को दिल्ली से केरल भेज दिया है। विदेश राज्य मंत्री और संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों ने इस घटना के संबंध में पहले ही जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि वे घटना के तह तक जाएंगे और आरोपियों का पता लगाएंगे।

केरला ब्लास्ट के बाद एक्शन मोड में अमित शाह, जांच करने का दिया आदेश

केरल। केरल में कोच्चि के एक कन्वेंशन सेंटर में यहोवा साक्षियों की प्रार्थना सभा में एक के बाद एक कई धमाके हुए। इस ब्लास्ट में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हो गए। वहीं, इस ब्लास्ट के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक्शन मोड़ में आए गए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड की टीमों को केरल भेजने और जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। वहीं, गृह मंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से फोन पर बात कर राज्य के हालात का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह केरल के कोच्चि जिले के कलामासेरी इलाके में यहोवा के साक्षियों की प्रार्थना सभा चल रही थी। इसी दौरान कई विस्फोट हुए। कलामासेरी के सीआई विबिन दास ने बताया कि पहला विस्फोट सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और उसके बाद अगले एक घंटे में कई धमाके हुए।

नीरव, ललित मोदी हजारों करोड़ लेकर भाग गए, आम आदमी को देना पड़ता है चढ़ावा : वरुण गांधी

पीलीभीत। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने हजारों करोड़ रुपये लेकर भागे उद्योगपति का नाम लेकर एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा है। कलीनगर कस्बे में रविवार को जनसभा संबोधित करते हुए सांसद वरुण गांधी ने कहा कि देश में सामान्य नागरिक को लोन लेने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। पहले मेज के नीचे चढ़ावा देना पड़ता है। वहीं नीरव मोदी, ललित मोदी जैसे समेत तमाम उद्योगपति हजारों करोड़ रुपये लेकर भाग गए। वरुण गांधी ने खुद को ईमानदार नेता बताते हुए गांधी और नेहरू का जिक्र कर आज की राजनीतिक पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि पहले देश की राजनीति में नेहरू, पटेल और आंबेडकर जैसे नेता होते थे। तब नारा लगाया जाता था कि हमारा नेता कैसा हो, नेहरू पटेल जैसा होगा। आज की स्थिति ऐसी हो गई है, नारों में कहा जा रहा है- नेता कैसा हो, जिसके पास सबसे ज्यादा पैसा हो। सांसद वरुण गांधी दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को पीलीभीत पहुंचे थे। उन्होंने पहले दिन सांसद निधि के पांच करोड़ के बजट से 91 कार्यों का शिलान्यास किया। जिसमें सीसी रोड, इंटर लॉकिंग, श्मशान शेड, बरातघर आदि कार्यों का होना प्रस्तावित हैं। सांसद वरुण बोले, सांसद निधि समय से पहले खर्च करने का रिकॉर्ड यूपी में पीलीभीत के नाम होगा। सांसद ने कहा कि वह समझौते की नहीं बल्कि सिद्धांतों की राजनीति करते हैं। वह उस राजनीति का हिस्सा बनेंगे जो अपनी चिंता न कर राष्ट्र की चिंता करे। राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। लोगों के मन में अविश्वास पैदा हो रहा है कि राजनीति में लोग लालच में आते हैं, न कि राष्ट्रीय निर्माण के लिए। वरुण बोले, वह नौजवान, महिला, बुजर्ग, किसान आदि की लड़ाई लड़ने के लिए राजनीति में आए हैं। कहा कि पीड़ितों की आवाज उठाने में उनको काफी नुकसान होता है, लेकिन उनको अपने नुकसान की चिंता नहीं है।

केरल में बम धमाकों के बाद यूपी में हाईअलर्ट, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और केरल पुलिस से साधा संपर्क

लखनऊ। केरल के एनार्कुलम में कन्वेंशन सेंटर में बम धमाकों के बाद यूपी में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। यूपी एटीएस और समस्त जिलों की पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के साथ संदिग्धों को चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, इस्राइल-फलस्तीन से जुड़े हर विरोध प्रदर्शन पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस्राइल-हमास युद्ध के दृष्टिगत पहले भी अलर्ट किया गया था। केरल की हालिया घटना के बारे में जानकारी जुटाई जाए रही है। एहतियात के तौर पर इस्राइल और फलस्तीन के समर्थन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। इनमें मौजूद लोगों के साथ-साथ वर्चुअली जुड़ने वालों की भी पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। यूपी पुलिस केरल पुलिस और अन्य केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के संपर्क में है। प्रदेश में केरल के कट्टरपंथी संगठनों से जुड़े लोगों को चिह्नित किया जा रहा है। बता दें कि प्रदेश में पीएफआई, सीएफआई, वहदत ए इस्लामी आदि संगठनों से जुड़े

तमाम संदिग्ध लोग जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। हाल ही में एनआईए ने लखनऊ, भदोही, संतकबीरनगर, बलिया समेत सात जिलों में इन संगठनों से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापे मारे थे। इस बारे में यूपी एटीएस से भी गोपनीय सूचनाएं साझा की गई हैं।

'अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए मैं खुद दर्शन हीरानंदानी को पैसे देती', आरोपों पर बरसीं महुआ

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों से घिरीं टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने एक इंटरव्यू में अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि 'अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए दर्शन हीरानंदानी को उन्हें पैसे देने की जरूरत नहीं है। वह खुद अदाणी के खिलाफ बोल सकती हैं। यहां तक कि अदाणी के खिलाफ बोलने के लिए मैं दर्शन हीरानंदानी को पैसे दे सकती हूं।' बता दें कि महुआ मोइत्रा के टीवी इंटरव्यू में शामिल होने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा के पास संसद की एथिक्स कमेटी के सामने पेश होने का समय नहीं है लेकिन इंटरव्यू देने का समय है! बता दें कि एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को 31 अक्तूबर को पेश होने का समय दिया था। हालांकि महुआ मोइत्रा ने अपने संसदीय क्षेत्र में जरूरी कामों का हवाला देकर 5 नवंबर के बाद पेश होने की बात कही। हालांकि एथिक्स कमेटी ने महुआ मोइत्रा को 2 नवंबर को पेश होने का समय दिया है। निशिकांत दुबे ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उन्होंने अभी तक इस पूरे मामले पर किसी मीडियो को इंटरव्यू नहीं दिया है और संसद की गरिमा बनाए रखी है। भाजपा सांसद ने महुआ मोइत्रा के दावों पर कहा कि दर्शन हीरानंदानी ने हलफनामा देकर उन्हें कीमती सामान और अन्य खर्चे वहन करने की बात स्वीकारी है। उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए और संसद को फैसला करने देना चाहिए। महुआ मोइत्रा ने दर्शन हीरानंदानी को अपने संसदीय लॉग इन पासवर्ड देने के आरोप पर कहा कि यह कोई गोपनीय बात नहीं है क्योंकि अगर ऐसा है तो सभी सांसद अपनी टीम के लोगों को अपने लॉग इन पासवर्ड क्यों देकर रखते हैं? महुआ ने कहा कि टीएमसी चीफ ममता बनर्जी को उनके मामले पर बोलने की जरूरत नहीं है। महुआ ने कहा कि पार्टी का फोकस कई अहम राष्ट्रीय मुद्दों पर है और उनकी पार्टी इन बेतुके आरोपों को सुनने की इच्छुक नहीं है।

हनुमानगढ़ में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और कार की टक्कर में 7 लोगों की मौत

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में तेज स्पीड में ओवरटेक करना एक परिवार को भारी पड़ गया। कार के सामने से आ रहे ट्रक में टकराने से तीन बच्चों सहित सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो गंभीर घायल बच्चों को बीकानेर रेफर किया गया है। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह से पिचक गई और कार के पार्ट्स दूर तक बिखर गए। हादसा शनिवार रात करीब 11 बजे हनुमानगढ़ सरदारशहर-मेगा हाइवे पर गांव लखूवाली शेरगढ़ के बीच हुआ। एसपी डॉ. राजीव पचार ने बताया कि रिट्ज कार में बच्चों सहित नौ लोग सवार थे। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, नौरंगदेसर निवासी गुरबचन सिंह मजबी का परिवार गांव से अपनी कार में सवार होकर घर से चार किलोमीटर दूर गांव आदर्शनगर में एक बर्थडे पार्टी में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी बीच रात करीब 10 बजे हनुमानगढ़ से सरदारशहर मेगा हाइवे पर गांव लखूवाली शेरगढ़ के बीच ओवर स्पीड में ओवरटेक करने के कारण कार सामने से आ रहे सीमेंट से भरे ट्रक से टकरा गई। भीषण सड़क हादसे की सूचना पाकर सीओ सिटी अरविंद बेरड, टाउन सीआई वेदपाल शिवराण टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उसके बाद एसपी डॉक्टर राजीव पचार भी देर रात्रि घटनास्थल पर पहुंच गए। ट्रक ड्राइवरों और अन्य लोगों ने कार में बुरी तरह फंसे लोगों को बाहर निकाला, तब तक तक सात लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी। एसपी राजीव पचार ने बताया कि कार में सवार गुरबचन सिंह की पत्नी परमजीत कौर (60), पुत्र रामपाल सिंह (36), पुत्रवधु रीमा (35), पौत्र आकाशदीप (14), पौत्री रीत (12), दूसरा बेटा खुशविंद्र सिंह (30), पुत्रवधु परमजीत कौर (22), पौत्र बेटा मनजोत (5) और पौत्री मनराज कौर (2) सवार थे। इनमें से आकाशदीप और मनराज कौर गंभीर घायल हैं, जिन्हें बीकानेर रेफर किया गया है।

बिहार में अब शिक्षकों को भी मिलेगा आवास, अपार्टमेंट का फ्लैट लीज पर लेगा शिक्षा विभाग

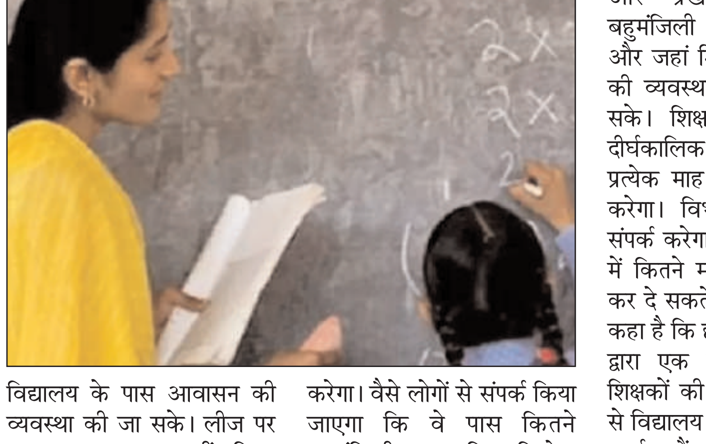

पटना। शिक्षा विभाग ने जिलों, प्रखंडों एवं पंचायत मुख्यालयों में शिक्षकों को रहने के लिए निजी मकान को लीज पर लेने का फैसला किया है। शिक्षा विभाग (प्रशासन) निदेशक के हवाले से जारी पत्र में कहा गया है कि शिक्षा विभाग प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के वेतन पर लगभग 33 हजार करोड़ रुपये खर्च करता है। वेतन मद के अतिरिक्त करीब 8 प्रतिशत राशि यानी 2500 करोड़ रुपये शिक्षकों को आवास भत्ता के लिए भुगतान करना पड़ता है। अब भत्ता के एवज में रहने के लिए सरकारी फ्लैट दिया जाएगा। शिक्षा विभाग अपार्टमेंट में लीज पर दीर्घकाल के लिए फ्लैट और ग्रामीण क्षेत्र में मकान लेने का निर्णय लिया है। जिला मुख्यालय, अनुमंडल, प्रखंड, पंचायत मुख्यालय स्तर पर शिक्षकों को उनके नजदीक विद्यालय के पास आवासन की व्यवस्था की जा सके। लीज पर मकान या भवन वहीं लिया जाएगा, जहां शिक्षक अपने संबंधित विद्यालय से निकटतम दूरी पर रह सके। इसके लिए शिक्षा विभाग खुद मकान मालिक या लीज कर्ता को मासिक रूप से किराये की राशि सीधे भुगतान करेगा। वैसे लोगों से संपर्क किया जाएगा कि वे पास कितने बहुमंजिली मकान किस जिले , प्रखंड और ग्राम में उपलब्ध करा सकते हैं। पहले से बना हुआ मकान को शिक्षा विभाग किराये पर ले सकता है। दूसरे प्रस्ताव में शिक्षा विभाग वैसे रियल स्टेट कंपनी से संपर्क करेगा जो जिला मुख्यालय, अनुमंडल मुख्यालय और प्रखंड मुख्यालय में बहुमंजिली भवन बना रहा हो और जहां शिक्षकों की आवासन की व्यवस्था सही तरीके से हो सके। शिक्षा विभाग इन्हें भी दीर्घकालिक लीज पर लेगा और प्रत्येक माह किराये का भुगतान करेगा। विभाग वैसे लोगों से संपर्क करेगा जो एक या दो वर्षों में कितने मकान अतिरिक्त बना कर दे सकते हैं। शिक्षा विभाग ने कहा है कि हाल ही में बीपीएससी द्वारा एक लाख विद्यालय के शिक्षकों की नियुक्ति की है। पूर्व से विद्यालय में चार लाख शिक्षक कार्यरत हैं। जो दूरस्थ प्रखंडों एवं गावों के विद्यालयों में पदस्थापित हैं। यहां पर विभाग की ओर से इन शिक्षकों के रहने आवासन की व्यवस्था कर रहा है। यही रहकर शिक्षक विद्यालय में जाकर अध्यापन का काम कर सकते हैं।

'केरल में आतंकी संगठनों से मिली हुई है राज्य सरकार', रैली में हमास नेता के संबोधन पर भड़के अनिल एंटनी

आइजोल। केरल के भाजपा नेता अनिल एंटनी ने फलस्तीन के समर्थन में निकाली गई रैली में हमास नेता के संबोधन की आलोचना की है। अनिल एंटनी ने कहा कि बीते कुछ सालों में केरल में कट्टरपंथी संगठन तेजी से बढ़े हैं। एंटनी ने राज्य की वामपंथी सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि सरकार आतंकियों से मिली हुई है। अनिल एंटनी इन दिनों पार्टी के लिए प्रचार करने मिजोरम के दौरे पर हैं। आइजवाल में मीडिया से बात करते हुए अनिल एंटनी ने कहा कि बीते कुछ सालों में केरल में कट्टरपंथी संगठन तेजी से बढ़े हैं। अभी केरल में वामपंथी पार्टी का शासन है और कांग्रेस पार्टी और मुस्लिम लीग दो मुख्य विपक्षी पार्टियां हैं। ये तीनों पार्टियां विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं। कल एक आतंकी नेता ने केरल में बड़ी रैली को संबोधित किया। भाजपा इसकी कड़ी निंदा करती है। बीते कुछ महीनों में एनआईए ने केरल में कई जांच की हैं और एक बार फिर से एनआईए जांच करेगी। राज्य सरकार आतंकी संगठनों से मिली हुई है। बता दें कि केरल के मलप्पुरम में जमात ए इस्लामी की यूथ विंग सॉलिडेरिटी यूथ मूवमेंट द्वारा फलस्तीन के समर्थन में एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को हमास के शीर्ष नेता खालेद मशाल ने वर्चुअली संबोधित किया। जिस पर खूब विवाद हुआ। खालेद मशाल हमास के संस्थापक सदस्यों में से एक है और वह साल 2017 तक हमास का अध्यक्ष रहा था। भाजपा ने केरल की रैली में हमास के शीर्ष नेता के संबोधन पर हैरानी जताई और पूछा कि पुलिस ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? वहीं जहां शनिवार को केरल की रैली में हमास के नेता के संबोधन की चर्चा है, इस बीच रविवार को केरल कई धमाकों से दहल गया। यह धमाके केरल के एनार्कुलम में एक प्रार्थना सभा के दौरान हुए। इन धमाकों में एक महिला की मौत हो गई है और 20 से ज्यादा लोग घायल हैं।

संपादकीय

माइग्रेशन का फायदा

इंटरनैशनल माइग्रेशन आउटलुक की ताजा रिपोर्ट बताती है कि अमीर देशों की नागरिकता लेने के मामले में भारतीय अव्वल हैं। 2019 से ही भारत OECD (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट) देशों के नए नागरिकों के मूल राष्ट्र के रूप में अपना प्रमुख स्थान बनाए हुए है। 2020 में भारत चीन को इस मामले में पीछे छोड़ चुका है। ध्यान रहे, श्रम की कमी से जूझते इन देशों के लिए ये नए नागरिक काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि हाल के वर्षों में OECD देशों ने इस तरफ ध्यान दिया। नतीजा यह कि इन देशों में आने वाले नए परमानेंट-टाइप माइग्रेंट की संख्या में खासी बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले साल यानी 2022 की ही बात करें तो OECD देशों में आने वाले परमानेंट-टाइप माइग्रेंट्स की संख्या 61 लाख दर्ज की गई जो सीधे 26 फीसदी की बढ़ोतरी है। ध्यान रहे, इन 61 लाख में से 28 लाख भारतीय हैं। पूरी दुनिया के लिहाज से देखें तो भी ग्लोबल माइग्रेंट इनफ्लो में भारत का योगदान करीब 7.5 फीसदी है। यह स्थिति उन देशों के लिए तो फायदेमंद है ही, खुद भारत के लिए भी कम लाभदायक नहीं साबित हुई है। अव्वल तो विदेश जाने वाले इन लोगों से रेमिटेंस हासिल करने के मामले में भी भारत नंबर वन पर है। 2022 में यह रकम 111 अरब डॉलर यानी देश की जीडीपी का 3.3 फीसदी थी। स्वाभाविक ही इस रकम से खपत में इजाफा होता है जिससे इकॉनमी को मजबूती मिलती है। लेकिन इसके और भी बहुत सारे फायदे हैं जो अलग-अलग रूपों में सामने आते हैं। इनका ठोस अंदाजा तब होता है जब हम इन माइग्रेंट्स के बदलते स्वरूप पर ध्यान देते हैं। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक देश को मिलने वाले रेमिटेंस का 36 फीसदी अमेरिका, इंग्लैंड और सिंगापुर के हाई-स्किल्ड माइग्रेंट्स से आता है। यानी इन माइग्रेंट्स का सबसे बड़ा हिस्सा टेक इंडस्ट्री में खप रहा है। और, इस तरह धीरे-धीरे सबसे गतिशील आर्थिक क्षेत्र में भारत और दुनिया के बीच एक पुल बनता जा रहा है। इसका एक बड़ा फायदा कोलैबरेशंस के जरिए भारत में हो रहे निवेश और तकनीकी हस्तांतरण में भी देखा जा सकता है। विकसित देशों में हो रहे माइग्रेशन के इन फायदों के बीच यह बात भी ध्यान में रखने लायक है कि इस माइग्रेशन के पीछे सबसे बड़ा फैक्टर होता है बेहतर अवसरों की तलाश जिसकी इन देशों के मुकाबले अपने यहां कमी है। अगर हमें 2047 तक विकसित देश का स्टेटस हासिल करने का लक्ष्य पाना है तो तीन बुनियादी पहलुओं पर खास ध्यान देना होगा- शिक्षा, रोजगार और जीवन स्तर। दो-चार प्रतिष्ठित संस्थान बनाना काफी नहीं है। देश के शिक्षा संस्थान हाई-स्किल्ड युवा देने लगें तो बेहतर रोजगार के हालात बनेंगे जिससे क्वॉलिटी ऑफ लाइफ बेहतर होगी। और फिर विकसित देश बनने का सपना भी दूर नहीं रह जाएगा।

हुआ जो धमाका !

कौन इसमें लिप्त ।
हो कड़ी पड़ताल ।।
शांत चित्त माहौल में ।
किसका ये बवाल ?
हैं जो भुक्तभोगी ।
हो उनका उपचार ।।
हो सकती है साजिश ।
ना इससे इनकार ।।
हुआ जो धमाका ।
ना अब है स्वीकार ।।
विलख रहे हैं लोग ।
कौन ज़िम्मेदार ?
ना होंगी बर्दाश्त ।
ऐसी अब घटनाएं ।।
जिनकी जहां जगह ।
त्वरित वहां पहुंचाए ।।

-कृष्णेन्द्र राय

खतरनाक ही नहीं, मानवता पर बड़ा कुठाराघात भी है इस्लामिक आतंकवाद

ललित गर्ग

समूची दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजा पट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू-कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर-मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है। इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ-साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झुकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था। इजरायल दुनिया को हमास के जुल्मों की तस्वीरें दिखाकर पूछ रहा है कि इस पर दुनिया के इस्लामिक देश खामोश क्यों हैं? जो आज इजरायल से जंग रोकने के लिए कह रहे हैं उन्होंने हमास की अमानवीय कार्रवाई की निंदा क्यों नहीं की? अगर कैमरों पर सबूत न होते तो कुछ लोग शायद ये कह देते कि इजरायल की फौज और मोसाद ने खुद ही अपने लोगों को मरवाया ताकि उन्हें हमास पर हमला करने का बहाना मिल सके। लेकिन इस बात के पुख्ता सबूत हैं और दावे भी कि हमास के आतंकवादियों ने मासूम और बेकसूर लोगों के साथ वहशियाना तरीके से जुल्म किया, हत्या की और आज भी अगवा किए गए लोगों को इंसानी ढाल बनाकर अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिलिस्तीन का समर्थन एवं मानवाधिकार की बातें करने वाले इन हरकतों को नजरअंदाज करने में लगे हैं। दुनिया के कई मुल्कों में प्रदर्शन हुए हैं, लोग इजरायल पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वो गाजा पर किए जा रहे हमलों को रोके। इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली

आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं-बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं। पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निदोर्षों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैंकड़ों गांव हिन्दू-विहीन हो चुके हैं। मेवात के हालात आज के गाजा पट्टी जैसे ही बने हुए थे। भारत में ऐसे अनेक गाजा पट्टी हैं, जहां इस्लामिक उन्माद चाहे जब फट सकता है। पूरे देश में इस्लामिक कट्टरता एवं जिहादी सोच के चलते मानवीय मूल्यों एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का ह्रास हुआ है। हिंसा, आतंक, उन्माद पनपे हैं। इस्लामिक कट्टरता एवं उन्माद से जुड़ी समस्याओं ने नये सन्दर्भों में पंख फैलाये हैं। मानवीय संबंधों के बीच एकता, अखण्डता, सहयोगिता, सह-अस्तित्व, प्रेम, आपसी सौहार्द, करुणा, अहिंसा एवं उदारता की पहचान घटी है।

कहना गलत न होगा कि हमास द्वारा इजरायल के निदोर्षों का नरसंहार भारत के कथित धर्मनिरपेक्ष तत्वों को दिखाई नहीं दिया, वे तथा सत्ता विरोधी गठबंधन से जुड़े दल मुस्लिम वोटों की संकीर्ण राजनीति के चलते आतंकियों के विरुद्ध एक भी शब्द बोलने की हिम्मत नहीं जुटा सके, आतंक के विरोध में बोलना उनकी मुस्लिम तुष्टिकरण नीति के खिलाफ जो ठहरा। विश्व भर में मानवाधिकारों की बात करने वाले भी आतंकी हमलों का विरोध न करके चुप्पी साथ गए। यही नहीं, आतंकियों के समर्थन में भारत भर में सत्ता के विरोध का वातावरण बनाया गया। अब मानवीय दृष्टिकोण से जब गाजा के सामान्य निर्दोष नागरिकों के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है, तब हमास के समर्थन में जुलूस निकालने और तकरीर करने वाले तत्वों ने भारतीय सत्ता की तनिक भी सराहना नहीं की। भारत ने विश्व स्तर पर पीड़ित मानवता की सहायता करने में कभी कसर बाकी नहीं छोड़ी, फिर भी खास धर्म के अनुयायियों द्वारा भारत का विरोध करना यही सिद्ध करता है कि भले ही सबका साथ सबका विकास की नीति का अनुपालन करते हुए सत्ता भेदभाव न करती हो, फिर भी कुछ तत्व ऐसे हैं जिनके लिए धर्म के नाम पर आतंकियों का समर्थन सर्वोपरि है, राष्ट्र दोयम दर्जे पर ही है। यह चिंताजनक स्थिति है, जिस पर गंभीरता से चिंतन किया जाना नितांत आवश्यक है।

सुहागिनों का सबसे खास पर्व करवा चौथ

वैश्विक स्तरपर यह सर्वविदित है कि भारत में आध्यात्मिकता प्राचीन कथाओं से जुड़े धार्मिक व्रत निर्जल व्रत धार्मिक अनुष्ठान सहित अनेको धार्मिक पाठ भागवत कथा जैसे अनेक धार्मिक अनुष्ठान अनेकों जाति धर्मप्रथाओं के धार्मिक स्थलों पर दैनिक, साप्ताहिक मासिक या वार्षिक स्तर पर होते हैं।मैं अनेकों धार्मिक स्थानो पर धार्मिक आस्था जुड़ी होने के कारण जाता हूं तो मुझे वहां पुरुषों की अपेक्षा महिला आध्यात्मिक श्रद्धालओ की संख्या अधिक देखने को मिलती है जिससे मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में आध्यात्मिकता और पौराणिक कथाओं से उत्प्रेरित व्रत के प्रति उनकी आस्था अधिक है। याने पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं धार्मिक आधार से जुड़े अनेक व्रत रखती रखती है। परंतु सुहागन महिलाओं के लिए उनका सबसे बड़ा व्रत उनका खास पर्व करवा चौथ होता है क्योंकि इस व्रत से महिलाएं अपने सुखी वैवाहिक जीवन व अपने पति की लंबी आयु की कामना करती है। चूंकि करवा चौथ पर्व इस वर्ष 1 नवंबर 2023 को मनाया जा रहा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे महिलाओं द्वारा सुखी वैवाहिक जीवन और पति की लंबी आयु की कामना के लिए निर्जला व्रत रखना करवा चौथ का मूल आधार है। बता दें, इस लेख में दी गई जानकारी/सामग्री/गणना की प्रामाणिकता या विश्वसनीयता की गारंटी नहीं है। सूचना के विभिन्न माध्यमों/ज्योतिषियों/पंचांग/प्रवचनों/धार्मिक मान्यताओं/धर्मग्रंथों से संकलित करके यह सूचना प्रेषित की गई हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ सूचना पहुंचाना है, पाठक या उपयोगकर्ता इसे सिर्फ सूचना समझकर ही लें। इसके अतिरिक्त इसके किसी भी तरह से उपयोग की जिम्मेदारी स्वयं उपयोगकर्ता या पाठक की ही होगी।

साथियों बात अगर हम निर्जला व्रत करवा चौथ 1 नवंबर 2023 की करें तो, इस साल करवा चौथ का व्रत बुधवार 1 नवंबर 2023 को रखा जाएगा। इस दिन महिलाएं अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए करवा चौथ का व्रत रखेंगी। करवा चौथ के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर पूजा करती हैं। सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक कठिन निर्जला व्रत रखती हैं।इस दिन महिलाएं रात को चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति को छलनी से देखकर व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि करवा चौथ के व्रत से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है। एक माननीय शास्त्री ने बताया कि इस व्रत को अविवाहित लड़कियां भी रख सकती हैं और अच्छे पति कीएक्सकामना कर सकती हैं। इस दिन महिलाओं को पूर्ण श्रृंगार के बाद ही पूजन करना चाहिए। हिन्दू धर्म में महिलाओं को हर पूजन से पहले सम्पूर्ण श्रृंगार करने की बात कही गयी है। करवा चौथ के दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की अच?छी सेहत और लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। चूंकि यह व्रत निर्जला रखा जाता है इसलिए इसे बहुत कठिन माना गया है। करवा चौथ का हिंदू धर्म में व?िशेष महत?व है। यह व्रत कार्तिक माह के कृष?ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 31 अक्टूबर दिन मंगलवार की रात 09बजकर 30 मिनट से प्रारंभ होगी और 1 नवंबर बुधवारको रात 09बजकर 19 मिनट पर खत्म होगी उदया तिथि और चतुर्थी के चंद्रोदय समय के अनुसार करवा चौथ व्रत 1 नवंबर 2023, बुधवार को रखना ही उचित होगा। इस साल व्रती महिलाओं को 13 घंटे 42 मिनट तक निर्जला व्रत रखना होगा क?योंकि व्रत सुबह 06 बजकर 33 मिनट पर सूर्योदय से शुरू होकर रात 08 बजकर 15 मिनट पर चंद्रोदय होने तक रहेगा।वहीं साल करवा चौथ की पूजा करने का शुभ मुहूर्त 1 नवंबर 2023 को, शाम 05.36 से शाम 06.54 तक है। इस तरह व्रती महिलाओं को पूजा के लिए 1 घंटे 18 मिनट का समय मिलेगा।

साथियों बात अगर हम करवा चौथ के पूजा विधि की करें तो, करवा चौथ की विशेष पूजा रात में चंद्रमा निकलने के बाद की जाती है। करवा चौथ के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करके साफ कपड़े पहनें और भगवान के सामने हाथ जोड़कर व्रत करने का संकल्प लें। इस मंत्र का जाप करें मम सुख सौभाग्य पुत्रादिह्व सुस्थिर श्री प्राप्तये कर्क चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।घर के मंदिर की दीवार पर गेरू से फलक बनाएं। फिर चावल को पीस लें और फलक पर करवा का डिजाइन बनाएं। इस अनुष्ठान को करवा धरना कहा जाता है। शाम के समय फलक के स्थान पर फर्श पर एक लकड़ी की चौकी पर माता पार्वती और शिव की तस्वीर रखें, जिसमें भगवान गणेश माता पार्वती की गोद में बैठे हों।अब पूजा की थाली सजाएं और थाली में दीपक, सिन्दूर, अक्षत, कुमकुम, रोली और चावल की मिठाई या सफेद मिठाई रखें। इसके बाद कोरे करवा में जल भरकर पूजा में रखें और माता पार्वती को श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें। इसके बाद माता पार्वती, भगवान गणेश और शिव के साथ भगवान चंद्रमा की पूजा करें। फिर करवा चौथ की व्रत कथा सुनें।

साथियों बात अगर हम करवा चौथ मनाने की मान्यता की करें तो, करवा चौथ के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले जागकर सरगी खाकर व्रत की शुरूआत करती हैं।उसके बाद महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। शाम को स्त्रियां दुल्हन की तरह 16 श्रृंगार कर तैयार होती हैं और पूजा करती है। उसके बाद शाम को छलनी से चांद देखकर और पति की आरती उतारकर अपना व्रत खोलती हैं। मान्यता है कि माता पार्वती ने शिव के लिए, द्रौपदी ने पांडवों के लिए करवा चौथ का व्रत किया था। करवा चौथ व्रत के प्रताप स्त्रियों को अखंड सौभाग्यवती रहने के वरदान मिलता है। करवा माता उनके सुहाग की सदा रक्षा करती हैं और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। माना जाता है कि करवा चौथ का व्रत रखने की परंपरा की शुरूआत महाभारत काल से हुई थी। सबसे पहले श्रीकृष्ण के कहने पर द्रौपदी ने पांडवों के प्राणों की रक्षा करने के लिए इस व्रत को किया था. मान्यताओं के अनुसार द्रौपदी के द्वारा रखे गए करवा चौथ व्रत की वजह से ही पांडवों के प्राणों पर कोई आंच नहीं आई थी। इसलिए कहा जाता है कि, हर सुहागिन महिला को अपने पति की रक्षा और लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखना चाहिए. इस व्रत को रखने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है। मान्यता के अनुसार अगर कोई महिला पूरे विधि विधान से करवा चौथ का व्रत रखती है, तो उसके पति की उम्र लंबी होती है और अखंड सौभाग?य का वरदान मिलता है। इसके साथ ही उसे सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है। साथियों बात अगर हम करवा चौथ निर्जल व्रत से संबंधित मान्यता प्राप्त कथा की करें तो,करवा चौथ की प्रचलित कहानी वीरावती और उसके सात भाइयों की है, जो इस प्रकार है। प्राचीन काल में इंद्रप्रस्थ में वेद शर्मा नामक एक ब्राह्मण विद्वान रहते थे। उनकी पत्नी लीलावती से उनके सात बेटे और वीरावती नाम की एक बेटी थी। जब वीरावती युवा हुई तो उसका विधि-विधान से विवाह कर दिया गया। जब कार्तिक कृष्ण चतुर्थी आई तो वीरावती ने अपनी भाभियों के साथ बड़े प्रेम से करवा चौथ का व्रत शुरू किया।

डॉक्टरों पर हमला करने वालों को भेजो जेल

आर.के. सिन्हा

पिछले दिनों राजधानी में सैकड़ों डॉक्टर राजघाट पर एकत्र हुए। ये वही डॉक्टर हैं, जो जानलेवा कोरोना की दूसरी लहर के समय भगवान के दूत बनकर रोगियों का इलाज कर रहे थे। लेकिन, अब ये डरे-सहमे हुए हैं। इनकी डर की वजह यह है कि इन पर होने वाले हमलों और दुर्व्यवहार के मामलों की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है । केन्द्र सरकार से यह मांग कर रहे हैं कि वो तुरंत ही कोई सख्त कानून लेकर आए ताकि डॉक्टर बिना किसी भय भाव के काम सकें। फिलहाल तो डॉक्टरों पर हमले लगातार बढ़ते ही चले जा रहे हैं। आप स्वयं गूगल करके देख लें। आपको डॉक्टरों पर हमलों के अनगिनत मामले मिलेंगे। बेशक, डाक्टरों के साथ बदतमीजी या मारपीट करना किसी भी सभ्य समाज में सही नहीं माना जा सकता। इसकी भरपूर निंदा तो होनी ही चाहिए और जो इस तरह की अक्षम्य हरकतें करते हैं, उन्हें कठोर दंड भी मिलना चाहिए। बेशक, देशभर में हजारों-लाखों निष्ठावान डॉक्टर हैं। वे रोगी का पूरे मन से इलाज करके उन्हें स्वस्थ करते हैं। आपको पटना से लेकर लखनऊ और दिल्ली से मुंबई समेत देश के हरेक शहर और गांव में सुबह से देर रात तक कड़ी मेहनत करते ए हजारों डाक्टर बंधु मिल जाएंगे।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे डॉ. विनय अग्रवाल भी उस मार्च में शामिल थे जो राजघाट पर पहुंची थी। उनकी मांग है कि डॉक्टरों पर हमले करने वालों पर 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना और तीन साल तक की कैद हो। ये सारे कदम इसलिए उठाए जाने की जरूरत है ताकि डॉक्टरों पर हमले करने के बारे में कोई सपने में भी न सोचे। डॉ. विनय अग्रावल कोरोना काल में किसी फरिश्ते की तरह कोरोना की चपेट में आए लोगों को अस्पताल में बेड दिलवा रहे थे। यह उन दिनों की बातें हैं जब कोरोना के रोगियों के संबंधी अस्पतालों में बेड तलाश रहे थे। निश्चय ही उस डरावने दौर को याद करते ही दिल बैठने लगता है जब कोरोना के कारण प्रलय वाली स्थिति बन गई थी। तब कोरोना के रोगियों के इलाज करने के लिए सिर्फ डॉक्टर और उनका स्टाफ ही सामने आ रहे थे। उस भयानक दौर में डॉ. विनय अग्रवाल और उनके साथी डॉक्टर दिन-रात रोगियों का इलाज कर रहे थे। उन्होंने उस दौरान सैकड़ों कोरोना रोगियों के लिए बेड की व्यवस्था करवाई थी। आज वे ही डॉक्टर अपनी जान की रक्षा करने के लिए सरकार से गुजारिश कर रहे हैं। यह वास्तव में बेहद दुखद स्थिति है।

आप कभी राजधानी में देश के चोटी के राममनोहर लोहिया अस्पताल यानी आरएमएल में जाइये। वहां की इमरजेंसी सेवाओं में हर समय करीब एक दर्जन बलिष्ठ भुजाओं वाले बाउंसर तैनात मिलते हैं। यहां पर मरीजों के दोस्तों और ि?श्तेदारों के डाक्टरों के साथ कई बार हाथापाई करने के बाद

अस्पताल मैनेजमेंट ने बाउंसरों को तैनात कर दिया है। जब से यहां पर बाउंसर रहने लगे हैं तब से अस्पताल में शांति है। वर्ना तो लगातार डॉक्टरों के साथ बदसलूकी और मारपीट के मामले सामने आते थे। कई बार डॉक्टरों को इलाज में कथित देरी या किसी अन्य कारण के चलते कुछ सिरफिरे लोग मारने-पीटने भी लगते थे। यहां पर कुछ महिला बाउंसर भी हैं। याद रख लें कि अगर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं तो फिर बाकी जगहों की बात करना बेकार है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सरकारी बाबुओं से लेकर देश के सांसदों और मंत्रियों तक का इलाज होता है। कोरोना काल में यहां के डॉक्टरों ने अनगिनत लोगों की जानें बचाईं थीं। राजधानी के ही लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल ने भी अपने डॉक्टरों को बचाने के लिए बाउंसर रख दिए हैं। करीब दो साल लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में गार्ड की तीमारदारों ने मारपीट की थी। दिल्ली पुलिस के जवान जब तक बचाने आते तब तक सुरक्षाकर्मी को तीमारदार मारपीट कर चुके थे। यह हाल उस सुरक्षाकर्मी का था जिसके कंधे पर डॉक्टरों को बचाने की जिम्मेदारी थी। उसका हाथ तक टूट गया था। इस घटना के बाद लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल ने बाउंसरों को लगाया। इन दोनों अस्पतालों में सारे देश से रोगी पहुंचते हैं। आपको पिछले कुछ महीने पहले राजस्थान के दौसा जिले की उस घटना की याद होगी जब एक महिला डॉक्टर डॉ. अर्चना शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी। उस घटना से देशभर के डॉक्टर सहम गए थे। वह घटना चीख-चीख कर इस चिंता की पुष्टि कर रही थी कि वक्त आ गया है कि देश के डॉक्टरों को पर्याप्त सुरक्षा दी जाए। अगर यह नहीं किया गया तो डॉक्टर बनने से पहले नौजवान कई-कई बार सोचेंगे। बता दें दौसा में डॉ.अर्चना शर्मा का एक अस्पताल था। उनके पास लालूराम बैरवा नाम का एक शख्स अपनी पत्नी आशा देवी को डिलीवरी के लिए लेकर आया। डिलीवरी के दौरान प्रसूता (आशा देवी) की मौत हो गई, वहीं नवजात सकुशल है। आशा देवी के निधन के बाद शुरू हो गया हंगामा। आशा देवी की मौत के बाद उसके घरवालों ने मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल के बाहर जमकर बवाल काटा। उन्होंने डॉ. अर्चना शर्मा के खिलाफ हत्या का मामला पुलिस में दर्ज करवा दिया। पुलिस ने इस केस को हत्या के मामले के रूप में दर्ज कर लिया। इससे डॉ. अर्चना बुरी तरह से घबरा गई और उन्होंने आत्मग्लानि से पीड़ित होकर खुदकुशी ही कर ली। महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले को लेकर राजस्थान के सभी डॉक्टरों ने हड़ताल भी की थी। डॉ.अर्चना शर्मा गांधीनगर मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर भी रही थीं। पर वह मानती थी हरेक डॉक्टर की जिम्मेदारी है कि वह देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वालों की सेवा करे। दरअसल यह समझने की जरूरत है कि डॉक्टर सिर्फ रोगी को ठीक करने का ईमानदारी प्रयास भर ही कर सकता है। वह कोई भगवान तो नहीं है। इसलिए उसकी सीमाओं को भी समझना होगा। अब इस तरह की खबरें सामान्य होती जा रही हैं जब रोगी के संबंधियों और परिचितों ने डॉक्टरों के साथ बेशर्मी से मारपीट की। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं है जब देशभर के डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल स्टाफ ने कोरोना वायरस को मात देने के लिए अपने प्राणों को भी दाव पर लगा दिया था। जरा सोचिए कि उस भयावह दौर में अगर यह भी हमारे साथ न होते तो क्या होता। अब हम उन्हीं डॉक्टरों के साथ मारपीट कर रहे हैं। इतनी एहसान फरामोशी कहां से कुछ लोगों में आ जाती है।

नभमंडल में सजे आकाशदीप

शहीदों की याद में सजी दीपों की लड़ियां, देश पर जान न्यौछावर करने वालों को किया गया नमन

प्रखर वाराणसी। नभमंडल में शनिवार की शाम बांस की टोकरियों में आकाशदीप जलाए गए। एक ओर शरद पूर्णिमा की चांदनी चटख हुई और दूसरी ओर प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर शहीदों की याद में बांस के पोरों पर आकाशदीप जलने शुरू हुए। बांस की डलियों में टिमटिमाते दीप चंद्रहार की मानिंद झिलमिला उठे। दरअसल, गंगोत्री सेवा समिति की ओर से यह आकाशदीप लोगों की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस और पीएसी के 11 शहीदों की स्मृति में जलाए गए। गंगा की मध्यधारा में दीपदान भी किया गया। प्राचीन दशाश्वमेध घाट पर पुलिस और पीएसी के शहीद जवानों को नमन करते हुए आकाशदीप जलाने की शुरूआत पांच वैदिक आचार्यों ने मां गंगा के षोडशोचार पूजन से की गई। इसके बाद, 101 दीपों को गंगा में प्रवाहित किया गया। इस दौरान वेद मंत्रों की गूंज होती रही। पीएसी बैंड की धुन के साथ मुख्य अतिथियों ने शहीदों की याद में आकाशदीप प्रज्वलित किए।

जिन शहीद जवानों की याद में आकाशदीप जलाए गए उनमें स्व. भेदजीत सिंह आरक्षी जनपद जालौन, स्व. संदीप निषाद आरक्षी जनपद प्रयागराज, स्व. राघवेंद्र सिंह आरक्षी जनपद प्रयागराज, स्व. जसवंत सिंह कानपुर, स्व. विपिन कुमार पीएसी 12वीं बटालियन अलीगढ़, स्व. कुलदीप त्रिपाठी 25वीं बटालियन रायबरेली, स्व. वीरेंद्र नाथ मिश्रा उप निरीक्षक नागरिक पुलिस, स्व. सुनील कुमार चौबे मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस, स्व. देवेंद्र मिश्रा पुलिस उपाधीक्षक, स्व. सुमित कुमार आरक्षी, स्व. उमाशंकर यादव आरक्षी के नाम शामिल हैं।

आश्विन पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक पुलिस और पीएसी के वीर शहीद जवानों की याद में जलाए जाने वाले आकाशदीप की शुरूआत पर समिति के अध्यक्ष पं. किशोरी रमण दुबे ने बताया कि शहीदों की आत्माओं के मार्ग आलोकित करने के लिए गंगा के तट पर आकाशदीप रोशन किए जाते हैं। कार्तिक मास में दीपदान का विधान और विशेष महत्व है। कहा कि गंगा के घाट पर कार्तिक माह में जलता आकाशदीप इस बात का परिचायक है कि हमारे शहीदों के प्रति हमारे मन में श्रद्धा की रोशनी कितनी उज्जवल है। आयोजन में प्रमुख रूप से पं. कन्हैया त्रिपाठी, गंगोत्री सेवा समिति के सचिव दिनेश शंकर दुबे, गंगेश्वरधर दुबे, शांतिलाल जैन, संकठा प्रसाद, रामबोध सिंह आदि शामिल रहे।

देश कल्याण के लिए मां गंगा का 51 लीटर दूध से हुआ अभिषेक

प्रखर वाराणसी। श्री जोशी ब्राह्मण संघ ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां गंगा का 51 लीटर दूध से 5 वैदिक ब्राह्मणों द्वारा अभिषेक, आरती एवं भजन- कीर्तन का आयोजन किया। इस दौराम समिति के लोगों ने मां गंगा से देश और समाज के कल्याण की प्रार्थना की। समिति के महामंत्री शंकर पाण्डेय ने बताया कि श्री जोशी ब्राह्मण संघ की ओर से देश और समाज के कल्याण के लिए मां गंगा का दुग्धाअभिषेक किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कन्हैया त्रिपाठी, लव त्रिपाठी, दीनदयाल मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता, पार्षद संजय केसरी, संघ के अध्यक्ष जगदीश पाण्डेय, सूरज पाण्डेय, गोरे महाराज समेत अन्य लोग शामिल थें।

सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने फायर ब्रिगेड के संबंधी नियमों के विषय में दी गई जानकारी

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां, गोरखपुर । 22 अक्टूबर से चल रहे दस दिवसीय सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-172 भोलाराम इंटर मस्करा इंटर कालेज, सहजनवा में एनसीसी कैडेटो को आठवें दिन कैम्प में फायर ब्रिगेड सर्विस गीडा. से आए प्रभारी सब इंस्पेक्टर लाल साहब यादव तथा फायरमैन विजय पाल ने कैडेट्स को आग लगने से होने वाली दुर्घटना तथा उनसे किस प्रकार बचाव किया जा सकता है। कि जानकारी दी साथ ही भविष्य में होने वाली घटनाओ से किस प्रकार अन्य लोगो को बचाया जा सकता है। के गुर बताया। लेक्चर के बाद कर्नल सतीश कवर ने मोमेंटो देकर फायर स्टेशन गीडा के प्रभारी लाल साहब यादव को सम्मानित किया।इस अवसर पर एडम ऑफिसर कर्नल नरेन्द्र डागर, फर्स्ट ऑफिसर भारत सिंह, थर्ड आफिसर सुर्य प्रताप सिह, थर्ड आफिसर पुनीत त्रिपाठी, ले० बंदिता त्रिपाठी, सूबेदार मेजर पवन कुमार, सूबेदार काशी लिम्बू, फायरमैन राहुल एंव अन्य पी.आई स्टाफ मौजूद रहे।

मातृभूमि संगठन द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

प्रखर जखनिया गाजीपुर। गरीबों के मुफ्त इलाज के लिए कस्बा के मध्य रिलायंस फाउंडेशन की मेडिकल बैन को कस्बा के शिव मंदिर पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर सैकड़ो मरीजों की मुफ्त जांच के साथ ही चिकित्सक डॉ राज पांडेय ने मुफ्त में सलाह देकर लोगों को मुफ्त में दवा वितरण भी करते रहे। शिविर में लोगों ने अपनी आंख, पेट, सर में दर्द, बुखार जैसे रोगों की जांच कराकर दवा भी ली। चिकित्सकों ने मरीजों को इलाज के साथ ही उन्हें खान-पान व बदलते मौसम के साथ ही बासी खाना का प्रयोग न करने की सलाह दी ।यह मेडिकल बैन जनपद मुख्यालय को पूर्व सांसद मनोज सिन्हा द्वारा जिले में भ्रमण कर मरीजों के इलाज के लिए प्रदत्त की गई थी ।जिसे मातृभूमि संगठन के लोगों ने क्षेत्र के लोगों को लाभ दिलवाया। मौके पर डॉ राज पांडेय, फार्मासिस्ट मिथिलेश शुक्ला, स्टाफ नर्स मधु, व नीरज सिंह, आरिफ अंसारी, मुकेश मौर्य, गंभीर यादव, आशुतोष सिंह रहे।

सात विधान सभा क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूची जारी

बलिया। जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार ने बताया है कि जनपद में अवस्थित 357- बेल्थरारोड (अ0जा०), 358- रसडा, 359झ सिकन्दरपुर, 360- फेफना, 361- बलिया नगर 362- बांसडीह एवं 363 - बैरिया विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव आयोग को अनुमोदन हेतु भेजे गये प्रस्ताव को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ द्वारा 10 अक्टूबर को अनुमोदन प्राप्त हो गया है। वर्तमान में मतदेय स्थलों एवं विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की संख्या व नाम की संख्या का विवरण निम्नवत है।

पूर्वांचल नेत्रालय का हुआ भव्य शुभारंभ, काशी की जनता के हित में समर्पित पूर्वान्चल नेत्रालय

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पुलिस लाइन स्थित पूर्वांचल नेत्रालय का भव्य शुभारंभ 29 अक्टूबर रविवार कों संकट मोचन के महान विशंभर नाथ मिश्रा , कौशल किशोर शर्मा कमिश्नर वाराणसी जोन, योगेश्वर नाथ मिश्रा कमिश्नर देवी पाटन गोंडा ,रविंद्र जायसवाल मंत्री उत्तर प्रदेश व शांतनु महाराज द्वारा दीप जलाकर किया गया` इस अवसर पर डॉक्टर अखिलेश पांडे ने कहा की पूर्वांचल नेत्रालय विगत 10 वर्षों से क्षेत्र की सेवा मलदहिया पर कर रहा था लेकिन अब वह पुलिस लाइन पर नए और बेहतर कलेवर व विश्व स्तरीय तकनीक एवं सुविधा उन्नत मशीनों तथा अनुभवी चिकित्सकों के साथ उपलब्ध है` इस मौके पर इस मौके पर डॉक्टर शैली मिश्रा ने कहा कि

हम गरीबों तथा जरूरतमंदों का उपचार आयुष्मान भारत के अंतर्गत कर रहे हैं तथा पहले आँखों के उपचार के लिए इस क्षेत्र के लोगों को बाहर जाना पड़ता था लेकिन अब इनकी सारी सुविधा एक ही छत के नीचे पूर्वांचल नेत्रालय में उपलब्ध है पूर्वांचल नेत्रालय के डायरेक्टर बृजेश पांडे ने बताया कि जटिल्टन नेत्र रोगों की जांच एवं इलाज के लिए विश्व स्तरीय आधुनिक मशीन आक्टो, एंजियोग्राफी, उल्टा सोनोग्राफी, फील्ड एनालाइजर, ग्रीन लेजर, एलआईओ, विटेक्टोमी, फोको और माइक्रोस्कोप सहित इत्यादि उपकरण हमारे यहां उपलब्ध है। इस उद्घाटन समारोह में अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद राजेश पांडेय ने किया।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मिलेगी मदद : मनोरमा मौर्य

चित्रा ब्यूटी पार्लर मेकअप एकेडमी का अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। चित्रा ब्यूटी पार्लर मेकअप एकेडमी खेतासराय का शुभारंभ रविवार को नगरपालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य ने फीता काटकर किया । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में इस कला का खास महत्व है। शहर से लेकर गांव तक महिलाओं को जीवन का नया रास्ता दिखाने आत्मनिर्भर बनने में इसके माध्यम से प्रेरणा मिलती है। अध्यक्ष श्रीमती मौर्य ने कहा कि समाज में कुछ नया करने के लिए ब्यूटी पार्लर, मेकअप एकेडमी का खास योगदान है। इसके सहारे कॉस्मेटिक, जनरल स्टोर, गिफ्ट कॉर्नर जैसी तमाम दुकानों के सहारे रोजगार के नए आयाम मिलते हैं। सखी वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती प्रीति गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण अंचल में महिलाओं को इस तरह का एक सम्मानजनक व्यवसाय शुरू करने

से काफी मजबूती मिलती है। खेतासराय के पूर्व चेयरमैन पुत्र भाजपा नेता रूपेश गुप्ता उर्फ मोनू ने मुख्य अतिथि का स्वागत करने के बाद उपस्थित जनों को प्रोत्साहित करते हुए उनका हौसला बढ़ाया। संस्थान के अधिष्ठाता आनंद जायसवाल रिंकू, सलोनी जायसवाल ने अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्य, प्रीति गुप्ता को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान प्रभु श्री रामचंद्र का प्रतीक स्वरूप राम मंदिर चिन्ह भेंट कर समानित किया। प्रदेश के पूर्व पंचायती राजमंत्री स्वर्गीय पतिराज के प्रतिनिधि रहे छोटे लाल जायसवाल ने भी इस कार्यक्रम की सराहना किया। मुख्य आथिति का स्वागत करने वालों में साहू समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल गुप्ता, जौनपुर फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा कुमार गुप्ता किशन , डॉ चन्द्रजीत मौर्य, मोहम्मद कुल्लुर, अभिषेक यादव गुड्डू, राम सकल मौर्य, विवेक मौर्य, नगर विकास राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव के अनुज दूधनाथ यादव, रवि बरनवाल, शैलेंद्र राजभर, स्नेह लता जायसवाल, संदीप मौर्य मुन्ना सर्वेश जयसवाल बंटी मुख्य रहे। कार्यक्रम के अंत में दुर्गा प्रसाद जायसवाल ने उपस्थित जनों के प्रति आभार जताया।

छात्राओं व महिलाओं को सुरक्षा संबंधि नम्बरों की जानकारी देकर किया जागरूक

रतसर (बलिया)। मिशन शक्ति फेज-4 के विशेष अभियान "शक्ति दीदी" के तहत स्कूल-कालेज एवं अन्य स्थानों पर कार्यक्रम तथा जन चौपाल का आयोजन कर छात्राओं-महिलाओं को विभिन्न नम्बरों, संचालित कल्याणकारी योजनाओं आदि की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए। शनिवार को स्थानीय नगर पंचायत स्थित शिवजी इंटर कालेज में छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत कराते हुए जागरूक किया गया तथा मजबूती के साथ उनके विरूद्ध होने वाले अपराध का मुखर होकर विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

तथा उपस्थित छात्राओं-महिलाओं को इस संबन्ध में बने हुए कानून व सहायता प्रदान करने वाली विभिन्न संस्थाओं के बारे में बताते हुए टोल फ्री नम्बर वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारे में अवगत कराया गया और मिशन शक्ति से संबंधित महिलाओं को पुस्तिकाएं वितरित की गई। साथ ही छात्राओं को गुड टच व बैड टच के बारे में बताया गया। इसी क्रम में उपस्थित छात्राओं / महिलाओं को बताया गया कि कभी भी आवश्यकता पड़ने पर संबन्धित थाना,एण्टी रोमियों टीम व उ०प्र० पुलिस द्वारा संचालित महिलाओं-बालिकाओं हेतु चलाये जा रहे नम्बरों पर बेझिझक कॉल करना चाहिए।

वेलफेयर क्लब की जिला स्तरीय मेहंदी स्पर्धा में आकांक्षा, काजल तथा आयुष ने मारी बाजी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वेलफेयर क्लब के तत्वावधान में 27वीं जनपद स्तरीय मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन गौरी शंकर पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से स्नातकोत्तर तक के छात्र छात्राओ ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। क्लब महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष सुषमा यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में 14 स्कूलों से 175 बच्चों ने तीन वर्गों में क्रमशः कनिष्ठ तथा वरिष्ठ वर्ग में हिस्सा लिया।

मूल्यांकन के लिये तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल का गठन किया गया था जिसके अनुसार कनिष्ठ वर्ग में आकांक्षा यादव सन्त कबीर पब्लिक स्कूल से प्रथम स्थान पर रही , जबकि अनुष्का सिंह गौरी शंकर पब्लिक स्कूल द्वितीय, नव्या सिंह सेंट जांस स्कूल तृतीय स्थान पर रही। ,सान्त्वना पुरस्कार के लिये मरियम फैज सेंट जांस स्कूल, सपना यादव रामदूत इंटरनेशनल स्कूल, कौशिकी सेंट जांस स्कूल को चुना गया। इसी प्रकार वरिष्ठ वर्ग में काजल चौहान रेनबो स्कूल नंदगंज तथा आयुश जायसवाल रामदूत इंटरनेशनल स्कूल संयुक्त रूप से प्रथम, सीता गुप्ता कुश स्मारक बालिका विधालय दिलदारनगर द्वितीय, साक्षी सिंह रामदूत इंटरनेशनल स्कूल तृतीय, जबकि साक्षी श्रीवास्तव एवरग्रीन पब्लिक स्कूल, महिमा पांडेय तथा पलक राय रामदूत इंटरनेशनल स्कूल, सोनम सिंह शाह फैज पब्लिक स्कूल को सांत्वना पुरस्कार के लिये चुना गया। क्लब पीआरओ सूर्य रेख मणि ने बताया कि प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले प्रतियोगियों को क्लब के वार्षिक समारोह 27वें वेलफेयर उत्सव में सम्मानित किया जाएगा जबकि सांत्वना पुरस्कारों का वितरण विद्यालयों के माध्यम से किया जायेगा। निर्णायक मंडल में नूर आफसा परवीन, बबली शर्मा तथा शिवांगिनी कश्यप रही जिन्हे क्लब परीक्षा विभाग सचिव सत्यदेव दुबे ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। क्लब महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा श्रीमती रिंकू यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सूर्य रेख मणि, धर्मेंद्र कुमार, पवन पांडेय , रम्भा गुप्ता, अभिषेक प्रजापति, रामनाथ कुशवाहा, आराधना सिंह आदि उपस्थित रहे।

आदर्श रामलीला कमेटी के सदस्यों व ग्रामीणों की बैठक संपन्न

दुबहर, बलिया। क्षेत्र के नगवा गांव में मां काली स्थान पर शुक्रवार की देर शाम आदर्श रामलीला कमेटी के सदस्यों एवं ग्रामीणों की एक बैठक जवाहरलाल पाठक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पुरानी कमेटी को बहाल कर अध्यक्ष जितेंद्र कुमार पाठक, मंत्री हरेराम पाठक 'लालू' एवं कोषाध्यक्ष अनिल पाठक को पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई। साथही आदर्श रामलीला कमेटी के रंग मंच पर पहली नवंबर से रामलीला कराने का निर्णय लिया गया। बता दें कि इस गांव में रामलीला 1922 से होती चली आ रही है। बैठक में जवाहरलाल पाठक, विमल पाठक, अरुणेश पाठक, राधाकृष्ण पाठक, राज नारायण पाठक, प्रधान प्रतिनिधि भुवनेश्वर पासवान, हरेराम पाठक ब्यास, भोला, सुनील, अजीत पाठक, श्वेतांशु गुप्ता, हरिशंकर पाठक, जागेश्वर मितवा, धर्मेंद्र पाठक, दिनेश आदि मौजूद रहे।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक का कटा शव मिला

बिल्थरारोड(बलिया)। वाराणसी - भटनी रेल मार्ग पर उभांव गांव के समीप शनिवार के अपरान्ह रेलवे ट्रैक पर 24 वर्षीय एक अज्ञात युवक का शव का कटा हुआ मिला। रेलवे लाइन पर युवक के कटने की सूचना गैंगमैन द्वारा पुलिस को दी गयी। सूचना के बाद उभांव थाने के प्रभारी निरीक्षक डीके श्रीवास्तव सदल मौके पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया। पुलिस इस शव के शिनाख्त करने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शनिवार के अपरान्ह रेलवे लाइन से होकर जा रहे गैंगमैन को रेलवे लाइन पर एक युवक का सिर और धड़ अलग अलग दिखाई दिया।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी पीएम के मन की बात

प्रखर खेतासराय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का रविवार को 106 वां एपिसोड प्रसारित हुआ। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हुए कहा कि वही सामान खरीदें जिसमें देशवासी का पसीना हो, एशियन और पैरा एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों को दी बधाई दी। आदिवासी योद्धाओं को किया याद। कन्याकुमारी के थिरु ए. के. पेरूमल जी का काम भी बहुत प्रेरित करने वाला बताया समेत विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। जिसको वरिष्ठ भाजपा नेता शांतिभूषण मिश्रा के प्रतिष्ठान पर कार्यकताओं के साथ सुना गया। मुख्य रूप से शांति भूषण मिश्रा, संजय विश्वकर्मा मंडल महामंत्री, मनीष कुमार गुप्ता, अनिल प्रजापति, राज केसर, कुंदन बरनवाल, सभी देतूल कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पाली सहजनवां में काँग्रेस ने लगाई दलित चौपाल: दलितों को उनके अधिकार दिलाएगी काँग्रेस

प्रखर सहजनवां । सहजनवां विधानसभा के पाली ब्लॉक के ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिचंद गुप्ता ने पाली के ग्राम पंचायत डोहरिया कला के दलित बस्ती में जाकर दलित अधिकार मांग पत्र भरवाया और दलित सवांद कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष ऋषिचंद गुप्ता ने कहा कि प्रदेश काँग्रेस कमेटी पूरे प्रदेश में दलित वर्ग की प्रमुख मांगों की जानकारी प्राप्त कर उस पर काम करने के लिए जगह जगह चौपाल आयोजित कर दलित वर्ग के लोगों के प्रमुख मांगों की जानकारी प्राप्त कर रहीं हैं जब से भाजपा की सरकार आई है बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने दलित समाज को जो अधिकार दिए थे उसे समाप्त करने का कुचक्र रचा जा रहा है। जिसे काँग्रेस पार्टी हरगिज बर्दाश्त नहीं करेगी। काँग्रेस पार्टी दलित समाज के लोगों को उनके अधिकार दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है और उन्हें उनके अधिकार दिलाने तक काँग्रेस पार्टी रुकेंगी नहीं।कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुभाष जी, विष्णु कन्नौजिया,जयराम,रामबहादुर,रामदयाल, हरीराम, राजकरन सहित अन्य ग्राम पंचायत के लोग मौजूद रहे।

गांजा बेचते समय युवक गिरफ्तार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा पुलिस ने रविवार को गड़खरा गांव से एक युवक को डेढ़ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। सिंधोरा थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने बताया कि गड़खरा गांव के समीप रविवार को जिले के बॉर्डर पर उपनिरीक्षक मिथिलेश प्रजापति, दिनेश त्रिपाठी व कास्टेबल राकेश राम सन्दिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गड़खरा गांव स्थित एक झाड़ी में मादक पदार्थो की चोरी छिपे बिक्री की जा रही है। पुलिस ने घेराबन्दी कर युवक को दबोच लिया। चेक करने पर युवक के पास से 1 किलो 400 ग्राम गाँजा बरामद हुआ। गिरफ्तार युवक जौनपुर जिले के चन्दवक थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव निवासी गांव निवासी बबलू पटेल को हिरासत में लेकर रविवार को जेल भेज दिया।

सपा के युवा नेता पिन्टू यादव को विधानसभा सचिव नियुक्त किया गया

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम के निर्देश पर विधान सभा अध्यक्ष खजनी सुनिल यादव ने चर्चित सपा के युवा नेता व समाज सेवी पिपरा हेमा (सुरसी) निवासी पन्टू यादव को विधानसभा खजनी के सचिव पद पर नियुक्त किया है। इसके बाद उम्मीद जताई है कि आगामी लोग सभा चुनाव में सपा प्रत्याशी को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा करेंगे। इसके साथ ही नवनियुक्त सचिव के मनोनयन पर पार्टी कार्यकर्ता एवं समर्थकों में भारी उत्साह दिखा तथा पूर्व विधायक सहजनवां यशपाल सिंह रावत जिला उपाध्यक्ष गिरीश यादव जिला महासचिव रामनाथ यादव, विधानसभा अध्यक्ष खजनी सुनिल यादव,राजेंद्र यादव दूधनाथ मौर्य मुरारी मौर्य, जयप्रकाश यादव,पिपरा हेमा प्रधान उमेश यादव आदि ने प्रसन्ना जाहिर की।

कार्तिक पूर्णिमा पर लगा मेला, निकली झांकी

प्रखर जखनिया गाजीपुर। स्थानीय कस्बा के शिव मंदिर पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर परंपरागत मेला का आयोजन किया गया। प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता व राम भक्त हनुमान की झांकी को रथ पर बिठा कर कस्बा के भुड़कुड़ा मार्ग स्थित यूनियन बैंक, सब्जी मंडी, पोस्ट ऑफिस रोड, होते हुए तहसील मुख्यालय तक बैंड बाजे के साथ भ्रमण कराया गया। जय श्री राम की जय घोष से पूरा कस्बा राम मय हो गया था। बैंड-बाजे के साथ कठपुतली का नृत्य लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। शिव मंदिर पर मेला में काफी भीड़ रही ,सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस को मशक्कत भी करनी पड़ी। झांकी भ्रमण के दौरान ग्राम प्रधान नंदलाल गुप्ता, अशोक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

पतिदेव को करना है खुश तो करवा चौथ के श्रृंगार में जरूर शामिल करें ये चीजें

हर साल सुहागिन महिलाएं करवा चौथ के व्रत का इंतजार करती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन निर्जला व्रत रखने के बाद महिलाएं रात में चंद्र को अर्घ्य देती हैं। इसके बाद ही कुछ खाती हैं। अगर बात करें इस साल की तो इस साल करवा चौथ का व्रत 1 नवंबर 2023 को रखा जाएगा।

इस त्योहार में महिलाएं खूब अच्छे से साज-श्रृंगार करती हैं। महिलाओं ने इसकी तैयारी भी पूरी कर ली है। इस दिन सुहागिन महिलाओं के लिए 16 श्रृंगार करने की भी परंपरा है। अगर इस करवा चौथ आप भी कुछ खास तरह से तैयार होना चाहती हैं, तो कुछ चीजों को अपने श्रृंगार में जरूर शामिल करें।

लाल साड़ी

अगर ये आपका पहला करवा चौथ है तो पहले तो अपनी शादी के लहंगे को ही पूजा के समय पहनें। अगर आप लहंगा नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग की साड़ी को ही प्राथमिकता दें। ये देखने में काफी प्यारी लगती है।

लाल और हरी चूड़ी

करवा चौथ का दिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। ऐसे में लाल साड़ी के साथ आप हरे रंग की चूड़ियां पहन सकती हैं। ये आपके लुक को और ज्यादा खूबसूरत बनाने में मदद करेंगी। अगर आप हरी चूड़ी नहीं पहनना चाहतीं तो लाल रंग के चूड़ा को पहनकर अपना लुक पूरा करें।

मांगटीका

अपने श्रृंगार को पूरा करने के लिए मांगटीका जरूर पहनें। ये सुहागिनों के लिए काफी अहम होता है।

मांग में सिंदूर

सिंदूर को सुहागिन महिलाओं की निशानी माना जाता है। ऐसे में तैयार होते वक्त सिंदूर लगाना ना भूलें। आपके करवा चौथ लुक को सिंदूर ही पूरा कर सकता है। इसके बिना आपका श्रृंगार अधूरा है।

गजरा

अगर आप करवा चौथ पर पारंपरिक रूप से तैयार होना चाहती हैं तो बालों में गजरा जरूर लगाएं। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

माथे पर बिंदी

16 श्रृंगार को पूरा करने के लिए बिंदी बेहद जरूरी होती है। ऐसे में साड़ी या सूट पहनते वक्त भी माथे पर बिंदी जरूर लगाएं।

अपने शर्मीले बच्चों का इस तरह बढ़ायें कॉन्फिडेंट

L

अपने बच्चों के आदर्श बनें

हर बच्चा अपने मां बाप का आईना होता है, इसलिए आपको अपने बच्चों में जो चीजें चाहिए उन्हें खुद की जिंदगी में उतारना पड़ेगा मतलब खुद ही उनका रोल मॉडल बनना पड़ेगा।

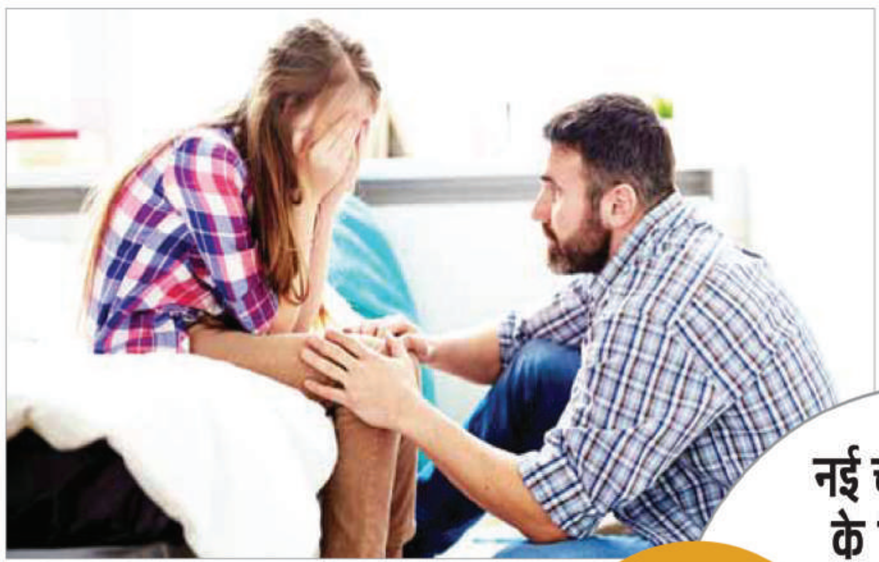

नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित करें

बच्चों को नई एक्टिविटीज में एडमिशन कराएं इससे उनको कई बच्चों में रहकर अपने स्किल डेवलपमेंट करने में सहायता मिलेगी, साथ ही आपका बच्चा दूसरे बच्चों के साथ घुल-मिलकर बात करना भी सीखेगा।

हर मां-बाप को अच्छा लगता है, जब बच्चे अपनी बातों को खुलकर कहते हैं, नाचते हैं, दूसरों की एक्टिंग करते हैं, बड़ी बहन को तंग करते हैं, लेकिन वहीं बच्चे स्कूल में या किसी पार्टी फंक्शन में एक किनारे गुमसुम सा खड़ा रहें, तो पेरेंट्स को बहुत बुरा लगता है।

वैसे भी हर इंसान की अपनी अलग पर्सनालिटी होती है, कोई बहुत बातूनी होते हैं, तो कोई कम बोलने वाले, कोई ज्यादा फिजिकल एक्टिव होते हैं, तो कोई सुस्त प्रकृति के। लेकिन अपनी बातों को समय पर न कह पाना, इसलिए हमें हमारे बच्चों को समाज में अपनी बातों को कैसे रखना है ये सिखाना पड़ेगा। तो आइए जानते हैं अपने बच्चों को कैसे कॉन्फिडेंट बनाएं।

शर्मीले बच्चों को ऐसे बनाएं कॉन्फिडेंट

शारीरिक या मानसिक किसी भी तरह से देखा जाए, तो बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। इसलिए इनके

अच्छे डेवलपमेंट की जिम्मेदारी हमारी बनती हैं, क्योंकि हम इन्हें जिस भी सांचे में ढालेंगे ये उसी में ढल जाएंगे। बेहतर यही होगा कि हम बच्चों की गतिविधियों पर फोकस करके समय रहते उनको अच्छा परवरिश दें और उन्हें समाज का श्रेष्ठ व्यक्ति बनने में मदद करें। शर्मीले बच्चों को कॉन्फिडेंट बनाने के कुछ आसान उपाय।

अपने बच्चे का अच्छा साथी बनें

अगर आपका बच्चा घर पर आपके और अन्य सदस्यों के साथ नॉर्मल रहता है, लेकिन बाहर निकलते ही एकदम शांत हो जाता है, तो ऐसे में उसे सबके सामने डांटे नहीं बल्कि एकांत में उससे पूछे कि आखिर क्या बात है। कई बार ऐसा होता है कि अगल-बगल का माहौल उसकी परेशानी का कारण हो सकता है, लेकिन कई बार कुछ और भी वजह हो सकती है, इसलिए आप उसकी परेशानी का कारण समझें और निवारण करें।

तुलना बिल्कुल भी न करें

हर बच्चों की अपनी कैपिसिटी होती है, इसलिए किसी एक बच्चे की तुलना किसी दूसरे बच्चे से करना उसे हतोत्साहित करना होगा। चाहे दोनों बच्चे खुद आपके ही क्यों न हों, ऐसा करने से बचें।

बच्चों की बात जरूर सुनें

कभी भी किसी भी मामले की गहराई को जाने बिना बच्चों को डांटे नहीं। उससे खुलकर प्यार से सारी बात सुनें तभी किसी निर्णय पर पहुंचे।

स्टाइलिश से ज्यादा जूतों का कंफर्टेबल होना है जरूरी

शूज खरीदने जब हम जाते हैं, तो शोरूम में लगे रंग-बिरंगे, अलग-अलग स्टाइल वाले जूतों पर सबसे पहले नजर जाती है, जिन्हें हम जरूरत न होने के बावजूद खरीद तो लेते हैं, लेकिन कई बार उन्हें बिना पहने ही कुछ महीनों बाद रिजेक्ट कर देते हैं। दूसरी वजह जो इन्हें रिजेक्ट करने की होती है वो है कंफर्टेबल न होना। पहनने पर पैर कटना, दर्द होना जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो फिर मन मारकर इन्हें छोड़ना ही पड़ता है, तो अगर आप चाहते हैं ऐसा फुटवेयर लेना, जिसे पहनकर आप पूरी तरह से कंफर्टेबल रह सकें, तो इसके लिए इसे खरीदते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। आइए जान लेते हैं इस बारे में।

किस जगह पहना है

खरीदने से पहले ये डिसाइड कर लें कि आप किस पर्पज से ले रहे हैं, मतलब आपको ट्रैवलिंग के लिए लेना है, ऑफिस के लिए, पार्टी के लिए या फिर नॉर्मल आउटिंग या जॉगिंग के लिए। ये क्लीयर रहेगा, तो जूते खरीदने में

आसानी रहेगी।

मैटेरियल पर ध्यान दें

ज्यादातर लोग जूते खरीदते वक्त लुक और कीमत को देखते हैं, लेकिन पहनने के बाद पता चलता है कि वो बिल्कुल भी कंफर्टेबल नहीं है। कई बार तो इनकी वजह से चोट भी लग जाती है। इसकी एक वजह जूते का मैटेरियल हो सकता है। स्पीड के लिए बने जूते आपको कंफर्ट और सपोर्ट नहीं देंगे। इसलिए खरीदते वक्त आपका फोकस मैटेरियल, कंफर्ट और सपोर्ट पर होना चाहिए, न कि स्टाइल और प्राइस पर।

ब्रांडेड जूते ही खरीदें

आजकल कपड़ों से लेकर मेकअप प्रोडक्ट्स, हेयर हर एक चीज़ की कॉपी बाजार में मौजूद है, जिनमें फुटवेयर्स भी शामिल हैं। स्टाइलिश दिखने वाले शूज जब कम कीमत पर हमें नजर आते हैं, तो लगता है ले लो, लेकिन बाद में ये हफ्ते भर भी हमारे शरीर का बोझ नहीं उठा पाते। कभी सोल निकल जाता है, तो कभी सिलाई खुलने लगती है। इसलिए जूते खरीदते वक्त हमेशा ब्रांड देखें। जो कंफर्ट देने के साथ ही सालों साल आपका साथ भी निभाते हैं।

बचपन और मोटापा

बचपन की कहानी में, बहुत अधिक वजन होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि हम कैसे दिखते हैं; यह प्रभावित कर सकता है कि हम अंदर से कैसा महसूस करते हैं। बच्चों के किशोर होने से पहले,

डॉ. आरुष सभरवाल

बहुत अधिक वजन बढ़ना स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 14.4 मिलियन से अधिक बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं और इस समस्या से जूझ रहे हैं। बचपन का मोटापा मानसिक अवसाद और उससे जुड़ी समस्याओं जैसे चिंता, नकारात्मक शारीरिक छवि आदि को जन्म दे सकता है। मोटे बच्चों को आमतौर पर स्कूलों में बेरहमी से चिढ़ाया जाता है। सहकर्मी समूहों की टिप्पणियां अपमानजनक हो सकती हैं और दिल और दिमाग में हमेशा के लिए रह सकती हैं जिससे अवसाद पैदा हो सकता है।

पोषण विशेषज्ञ डी.टी. कनक अग्रवाल एक सरल उपाय सुझाती हैं - सोफा छोड़ कर बाहर खेलना। वह यह भी चाहती है कि हर कोई यह जाने कि यदि माता-पिता मोटे हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि बच्चे भी मोटे होंगे। हमारी आदतें और हम जहां रहते हैं वह स्थान अधिक महत्वपूर्ण हैं।

यह सिर्फ हमारे शरीर के बारे में नहीं है। हम कैसे दिखते हैं इसके बारे में बुरा महसूस करना या वास्तव में दुखी महसूस करना भी इसी का हिस्सा है। जैसा कि एक कहावत है, बाहर स्वस्थ रहना अंदर से स्वस्थ होने से शुरू होता है। वह एक सरल योजना में विश्वास करती है- आइए शुरू से ही अच्छी आदतें बनाएं, यह सुनिश्चित करें कि हमारे बच्चे खुश और स्वस्थ रहें।

सर्जन डॉ. अरुष सभरवाल सुझाव देते हैं कि बेरिएट्रिक सर्जरी पर केवल तभी विचार किया जाना चाहिए जब बाकी सब विफल हो जाए।

आप अपने सवाल हमें info@scodclinic.com पर लिख सकते हैं। नियुक्तियों या पोषण संबंधी चिंताओं के लिए हमें +91-8130130489 पर कॉल करें।

छोटी-मोटी भूख को मिटाएगी चटपटी भेलपुरी

आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताएंगे, जो झटपट तैयार भी हो जाती है और इसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर कोई पसंद भी करता है। हम बात कर रहे हैं भेलपूरी की। स्वाद से भरपूर भेलपुरी को बनाना भी काफी आसान है। भेलपुरी हमारे देश का एक फेमस स्ट्रीट फूड है।

खास कर अगर बात की जाए मुंबइया भेलपुरी तो ये देशभर में काफी फेमस है। अगर आपको और आपके बच्चे भेलपुरी खाने का शौक है तो ये खबर आपके लिए है। इस लेख में हम आपको आसान तरीके से भेलपूरी बनाना सिखाएंगे।

भेलपुरी बनाने के लिए जरूरी सामान

मुरमुरे (परमल) - 4 कप
प्याज बारीक कटी -1/2 कप
टमाटर बारीक कटे - 1/2 कप (वैकल्पिक)
आलू उबला - 1
हरी चटनी - 1/2 कप
खजूर-इमली चटनी - 3/4 कप
हरी मिर्च कटी - 1 टी स्पून
चाट मसाला - 1 डेढ़ टी स्पून
नींबू रस - 2 टी स्पून
लहसुन चटनी - 2 टेबललस्पून
हरा धनिया - 1/4 कप
कच्चे आम के टुकड़े - 1 टेबलस्पून
क्रश की पापड़ी - 1/2 कप
सेव - 1 कप
तली मसाला चना दाल - 1 टेबलस्पून
नमक - स्वादानुसार

भेलपुरी बनाने की विधि

भेलपुरी बनाने के लिए सबसे पहले प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और हरी धनिया पत्ती को बारीक-बारीक काट कर रख लें। इसके बाद उबले हुए आलू को भी टुकड़ों में काट लें। अब एक बड़े कटोरे में मुरमुरा लें। इसके बाद कटोरे में कटी प्याज, आलू, टमाटर, हरी मिर्च डालें। सके बाद अब इसमें लहसुन की चटनी, हरी चटनी और खजूर-इमली की चटनी डालकर इसे अच्छे से मिलाएं। इसमें चाट मसाला, नींबू का रस और स्वाद के अनुसार नमक डालें। सभी चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ऊपर से पापड़ी, तली मसाला चना दाल, कच्चे आम के टुकड़े, सेव, हरा धनिया डाल कर इसे परोसें। इसे खाने के बाद आपके बच्चों के साथ-साथ अन्य घर वालों की भूख भी मिट जाएगी।

फिंगर टैटू बनवाते वक्त इन बातों का रखें ख्याल

रिसर्च जरूर करें

फिंगर टैटू बनवाने से पहले थोड़ी बहुत रिसर्च जरूरी है, चूंकि ये शरीर का सेंसेटिव एरिया है, तो ऐसे में पहले स्किन केयर एक्सपर्ट से पूछ लें कि कहीं इससे वहां की त्वचा को नुकसान तो नहीं होगा। इस बात को भी जांच लें कि टैटू बनने के बाद कैसा नजर आएगा।

हो सकता है दर्द

जैसा की हमने बताया कि उंगलियों के पास की स्किन संवेदनशील और पतली होती है, इसलिए बाकी बॉडी पार्ट्स पर टैटू बनाने के मुकाबले फिंगर पर टैटू बनाने में दर्द ज्यादा होता है। इस बात का ख्याल रखें कि कहीं स्किन या हड्डी को कोई नुकसान न पहुंचे।

सिंपल डिजाइन बनवाएं

उंगली का सरफेस एरिया काफी कम होता है, इसलिए इसमें ज्यादा एक्सपेरिमेंट की गुंजाइश नहीं होती है। आप सिंपल डिजाइन सेलेक्ट करें और इसे किसी कुशल आर्टिस्ट से बनवाएं। ज्यादा प्रयोग करने के चक्कर में डिजाइन खराब भी हो सकता है।

टैटू फेड होने का डर

हम शरीर के बाकी हिस्सों के मुकाबले उंगलियों में घर्षण ज्यादा होता है। क्योंकि हाथों के जरिए हम डेली लाइफ के सभी काम करते हैं। इसके अलावा हम दिन में अनेक बार साबुन से हाथ धोते हैं, इसलिए उंगलियों में टैटू फेड होने का डर ज्यादा होता है। कुछ लोग वक्त-वक्त पर टच अप करवाते रहते हैं।

शरीर को स्वस्थ रखना है तो खुलकर हंसना सीख लें

बढ़ते तनाव और खराब होती लाइफस्टाइल में आपकी ये आदत सेहत को सुधार सकती है। जहरीली हवा में सांस लेने और वायु प्रदूषण के असर से बचने में भी हंसी आपकी मदद कर सकती है। प्रदूषण का असर हमारे फेफड़ों पर पड़ता है जिसकी वजह से सांस लेने में परेशानी होने लगती है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए हंसना नेचुरल थैरिपी की तरह काम करता है। खुलकर हंसने शरीर में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ता है। जो लोग हंसी के ठहाके लगाते हैं उनकी पूरी सेहत में सुधार आता है।

हंसने से बढ़ता है ऑक्सीजन

कई रिसर्च में पता चला है कि जो लोग खुलकर हंसते हैं उनके शरीर में ऑक्सीजन का लेवल अच्छा रहता है। हंसते वक्त हमारा शरीर गहरी सांस लेता है और छोड़ता है। लाफिंग एक एक्सरसाइज हैं जिससे बॉडी में ऑक्सीजन का फ्लो ठीक बना रहता है। ठहाके लगाकर हंसने से बॉडी में ऑक्सीजन का लेवल भी बढ़ता है। आप दिनभर एनर्जी से भरपूर रहते हैं।

हंसने से ब्लड प्रेशर होता है कंट्रोल

खुलकर हंसने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा रहता है। रिसर्च में सामने आ चुका है कि जो लोग खूब हंसते हैं उनका ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। डॉक्टर्स भी लोगों को हंसने की सलाह देते हैं। पार्क में लोगों को ठहाके लगाते आपके अक्सर देखा होगा। जो लाफिंग एक्सरसाइज करते हैं।

हंसी से बढ़ती है इम्यूनिटी

आजकल लोग इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए न जाने क्या क्या करते हैं। इसके लिए आप खुलकर हंसना भी शुरू कर दें। खुलकर हंसने से शरीर हैं हैप्पी हार्मोंस बनते हैं जिससे इम्यूनिटी मजबूत बनती है। हंसने से बॉडी में पैदा होने वाले एंटी-वायरल और कई दूसरे इंफेक्शन होने का खतरा भी कम होता है।

हंसने से दूर होगा तनाव

जो लोग परेशान रहते हैं उन्हें डॉक्टर्स लाफिंग थेरिपी की सलाह देते हैं। हंसने से मानसिक और शारीरिक समस्याओं को दूर भगाने में मदद मिलती है। तनाव से दूर रहना है तो खुलकर हंसना और खुश रहना सीख लें। इससे डिप्रेशन, एंग्जाइटी और स्ट्रेस कम होता है। जो आजकल हर समस्या की जड़ बनते जा रहे हैं।

कमर दर्द में मिलेगा आराम

हंसी के फायदे सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है इससे दर्द में भी आराम मिलता है। खुलकर हंसने से स्पोंडलाइटिस, कमर के दर्द में राहत मिलती है। कमर के दर्द से राहत पानी है तो आपको रोजाना 10 मिनट ठहाके लगाकर जरूर हंसना चाहिए। इससे इन्डोर्फिन हार्मोन बनता है जो आपकी पूरी बॉडी को हैप्पी रखता है।

आज से दो दशक पहले की बाात करें तो रियल्टी सेक्टर के निवेशकों का ध्यान शॉर्ट टर्म इन्वेस्टमेंट पर अधिक रहता था वहीं एक्चुअल यूजर्स मतलब जिन्हें अपने खुद के इस्तेमाल के लिए संपत्ति खरीदने की चाह होती थी वे विकसित हो रहे इलाकों को अधिक पसंद करते थे। यही वजह रही कि समय के साथ नोएडा, गुड़गांव, गाजियाबाद, सोनीपत के अलावा मथुरा, आगरा, हरिद्वार, बद्दी, पुणे, देहरादून, मानेसर, मोहाली जैसे शहरों में मौजूद संपत्तियों की मांग को पंख लगे। लेकिन उस समय की तुलना में आज का रियल्टी सेक्टर काफी बदला सा नजर आता है। क्या और कैसे हुए हैं यह बदलाव आइये जानते हैं।

प्रापर्टी मार्केट का बदल रहा ट्रेंड

प्रदीप मिश्रा
रियल एस्टेट विशेषज्ञ

पिछले लगभग डेढ़ से दो दशकों की तुलना में संपत्ति बाजार का मौजूदा ट्रेंड कुछ बदला-बदला सा नजर आता है। बात चाहे कीमतों की हो या कारपेट एरिया अथवा पार्किंग की, खरीदार अब संपत्ति खरीदने का निर्णय करने से पहले यह सारी चीजें खुद देखता और समझता है। इसके अलावा संपत्ति बाजार को रेगुलेट किए जाने का भी अब इस सेक्टर का खासा असर दिख रहा है। रेरा की सख्ती के बाद प्री लांच योजनाओं में खासी कम आई है। पहले प्री लांच के नाम पर ग्राहक से कंपनियों द्वारा काफी पैसा ले लिया जाता था और उस पैसे को किसी नए प्रोजेक्ट में डाल दिया जाता था। इससे पुरानी परियोजना अटक जाती थी और पैसे देने के बाद भी खरीदार को काफी समय तक घर नहीं मिल पाता था। लेकिन अब हालात कुछ अलग से दिखाई देते हैं। कोरोना के बाद संपत्ति बाजार में कीमतें बढ़ चुकी हैं और महानगरों से सटी ग्रामीण क्षेत्र की जमीनें लगातार महंगी हो रही हैं। होम लोन पर ब्याज दरें भी ऊपर की तरफ जा रही हैं इसलिए अगर आप भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश करना चाहते हों या अपना मकान बनाना चाहते हों तो जल्दी करें। ऐसा ना हो, कहीं देर ना हो जाए। आइए अब इस बारे में विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं।

खरीदार हुए जागरूक

बीते कुछ समय से मैंने देखा है कि संपत्तियों के खरीदारों में जागरूकता बढ़ी है साथ ही किसी निवेश की तलाश में घर से निकलने से पहले ही वह अपना होम वर्क भी करने लगे हैं। मसलन जिस जगह वह निवेश का विचार कर रहा है वहां संपत्तियों के दाम क्या है, जिस बिल्डर प्रोजेक्ट में संपत्ति लेनी है उसकी छवि कैसी है, प्रोजेक्ट की डिलीवरी को लेकर उसका रिकार्ड कैसा रहा है, उस क्षेत्र विशेष में सुविधाएं कैसी है, साथ ही वहां क्राइम रेट कैसा है और सुरक्षा वगैरह के बंदोबस्त किस तरह का है। अगर यह कहें? कि मौजूदा समय में निवेशक और एक्चुअल यूजर पहले की तुलना में ज्यादा समझदार हो गए है तो गलत नहीं होगा।

लंबी अवधि का निवेश

पूर्व की तुलना में अब निवेश की अवधि में भी बदलाव दिखने लगा है। डेढ़ से दो दशक पहले की बात करें तो उस दौर में बिल्डरों की तरफ से बहुत तेजी से नए प्रोजेक्ट लाए जा रहे थे और उन प्रोजेक्ट्स को बाजार में उतारे जाने से पहले एक हिस्से को प्री लांच के रूप में बेच दिया जाता था। तब निवेशकों का वह निवेश छह महीने से लेकर साल भर की अवधि के लिए हुआ करता था। लेकिन मौजूदा समय में रेरा और स्थानीय एजेंसियों की सजगता की वजह से प्री लांच में बहुत कमी आ चुकी है ऐसे में रियल्टी सेक्टर में छोटी अवधि के निवेश की गुंजाइश न के बराबर रह गई है इसलिए लिहाज से बाजार में एक्चुअल यूजर्स की संख्या अधिक दिखती है। साथ ही निवेश के उद्देश्य से भी अब लांग टर्म को ध्यान रखते हुए निवेश किया जा रहा है। वैसे भी संपत्ति जहां हर महीने किराये के रूप में अच्छा रिटर्न देती है वहीं समय के साथ-साथ बढ़ने वाली कैपिटल वैल्यू का भी निवेशक को बेहतरीन लाभ मिलता ही है।

विदेशी भारतीयों की बढ़ी रुचि

कोरोना काल बीतने के बाद जब बाजार खुले तो विदेशों में बसे भारतीयों ने स्वदेश में संपत्ति क्रय करने में व्यापक स्तर पर रुचि दिखाई। कोरोना के बाद रियल्टी सेक्टर को गति देने में विदेश से आने वाले उस निवेश ने बड़े पैमाने पर योगदान दिया। गुड़गांव, चण्डीगढ़, बेंगलुरु, पूणे, नवी मुम्बई के अनेक क्षेत्रों को विदेशी निवेशक मौजूदा समय में भी हाथों-हाथ ले रहे है और पूर्व की तरह वह ट्रेंड अब वर्तमान में भी स्पष्ट तौर पर देखने को मिल रहा है।

नई संपत्तियों के प्रति रुझान

बीते कुछ समय में लोगों में नए प्रोजेक्ट्स के प्रति रुझान बढ़ता हुआ दिख रहा है और यही वजह भी है कि बड़ी संख्या में खरीदार अपनी पुरानी संपत्ति को बेचकर नई बनी या फिर बन रही संपत्तियों को खरीदने की इच्छा जता रहे हैं। यह ट्रेंड नब्बे के दशक की याद दिलाता है उस वक्त गुड़गांव का विकास अपने आरंभिक चरणों में ही था तब कई नामी बिल्डरों ने इस शहर में प्लॉटिड डेवलपमेंट की शुरुआत की थी जिसे साउथ दिल्ली में बसे लोगों ने हाथोंहाथ लिया था। उसी तरह मौजूदा समय में भी खरीदार अपनी पुरानी संपत्तियों को बेचकर मिलने वाले दाम में दो या फिर अधिक संपत्तियां खरीद रहे है। लेकिन उनकी दिलचस्पी सुविधाओं से संपन्न इलाके के साथ नव निर्मित संपत्तियों में अधिक है।

किराये से लेकर अपने घर तक की चाह

बीते कुछ समय से होम लोन की दरों में कोई बदलाव न होने और डबल इन्कम स्टैंडर्ड यानी पति-पत्नी दोनों कामकाजी होने के इस दौर में जो लोग किराये के घरों में रह रहे है वह भी अपने घर का सपना साकार करने की दिशा में बढ़ रहे है। इसके पीछे कही न कहीं एक वजह संपत्तियों की कीमतों में आई बढ़ोतरी भी है, जो लोग महानगरों या फिर उनसे सटे शहरों में अपना आशियाना बनाने की चाह रखते हुए वह कीमत के और अधिक बढ़ने से पहले ही निवेश के काम को पूरा कर लेने की इच्छा कर रहे है। वैसे इसमें कोई दो राय नही कि कोराना काल के बाद जब से रियल्टी सेक्टर में तेजी आई देश के विभिन्न शहरों में संपत्तियों के दामों में 10 से 25 फीसद की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में अगर आप भी संपत्ति की तलाश में है तो देर न करें कही ऐसा न हो दामों में और वृद्धि हो जाए।

आनलाइन पर फोकस

वक्त बदलने के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने भी प्रगति की। रियल एस्टेट सेक्टर के कामकाज या खरीद फरोख्त में अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की भूमिका अहम हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए ग्राहक अब विभिन्न वेबसाइटों की मदद से तमाम जानकारियां जुटा लेते हैं। इसके अलावा कोरोना काल के दौरान बिल्डर्स की तरफ से लोगों को घर बैठे ही प्रोजेक्ट टुअर करवाया जाने लगा था जिसका लाभ मौजूदा समय में भी निवेशकों और खरीदारों को मिल रहा है।

फसल बीमा योजना

बुवाई से कटाई तक का जोखिम कवर

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

महात्मा गाँधी ने कहा था, 'भारत की आत्मा खेतों में बसती हैं।', भारत एक कृषि प्रधान देश है, यहां ग्रामीण आबादी ज्यादातर कृषि पर ही निर्भर रहती है। कृषि को समुचित सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने हेतु सरकारी तंत्र द्वारा फसल बीमा योजना विभिन्न प्रकार की फसलों को सूखे, आंधी, पानी, तूफान, बेमौसम बरसात, पाला पड़ना, बाढ़ और ओले गिरना आदि जैसे प्राकृतिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना का मुख्या उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान की स्थिति में किसानों को किफायती दर पर बीमा प्रदान करना है। सरकारी आंकड़ो के आधार पर अब तक लगभग छत्तीस करोड़ किसानों को किफायती दर पर फसल बीमा प्रदान किया गया है। फसल बीमा योजना के प्रीमियम में सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी के तौर पर सहयोग भी दिया जाता है।

बीमा कवर में क्या है शामिल

फसल बीमा कवर की परिधि में बुआई से कटाई तक की फसल अथवा कहें तो खड़ी फसल का किसी भी प्रकार से नही रोके जा सकने वाले जोखिमों जैसे चक्रवात, ओले, सैलाब, कीट एवं रोग, भूस्खलन, प्राकृतिक आग और बिजली, तूफान और बवंडर आदि के कारण उपज को कवर करने हेतु व्यापक जोखिम कवर प्रदान किया जाता है।

पशुधन भी होता है शामिल

फसल बीमा योजना में सभी प्रकार के कृषि इस्तेमाल में आने वाले पशुओं जैसे दुधारु पशुओं देशी संकर गाय, बैल, भैंस, घोड़ा, गधा, भेड़, बकरी, सूअर आदि को भी बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है। इन पशुओं का इस्तेमाल कृषि कार्यों में किया जाता है साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में लोग इनसे कृषि के अलावा अन्य कई कार्य भी लेते हैं।

कहां मिलेगा फसल बीमा

इस बीमा योजना को एक मात्र बीमा कम्पनी, भारतीय कृषि बीमा कंपनी (एआईसी) द्वारा प्रदान किया जाता है। भारत सरकार ने इसके लिए एक वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप भी जारी किया है, ताकि योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बनी रहे। वेब पोर्टल का नाम है agri.insurance.gov.in तथा मदद के लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया है जो 18002660700 है।

कब खरीदें फसल बीमा

फसल बीमा क्रय करने के लिए दो प्रावधान है खरीफ की फसल के लिए जुलाई माह की अंतिम तिथि तक और रबी की फसल के लिए दिसम्बर माह की अंतिम तिथि तक फसल बीमा योजना में भागीदारी दर्ज करा सकते हैं इसे क्रय करने के लिए कृषक को बीमा कम्पनी में जाकर अथवा अपने बैंक के माध्यम से यह बीमा खरीद सकते हैं। यदि कृषक ने किसान क्रेडिट कार्ड ऋण लिया है तो मात्र एक फार्म पर विवरण भरकर हस्ताक्षर करके बीमा करा सकते हैं। लोन नहीं लिए होने की स्थिति में कृषक खुद आनलाइन पोर्टल के माध्यम से या नजदीकी जन सेवा केंद्र से भी फसल बीमा क्रय कर सकते हैं।

पोर्टल के जरिए भी खरीदें बीमा

यदि कृषक ने कृषि ऋण नही लिया है और फसल बीमा कराना चाहते है, तो वे किसी भी कृषि जन सेवा केंद्र जाकर फसल बीमा करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त "वेब पोर्टल" पर भी खुद ही फसल बीमा क्रय कर सकते है, इसके लिए अधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा। यदि आपने कृषि ऋण लिया है, तब बैंक आपको दो विकल्प देगा, 'आप्शन-इन' फार्म भरकर बैंक में देकर फसल बीमा योजना का लाभ उठा सकते है, यदि आपने ऋण लिया है और फसल बीमा नहीं लेना है तब "आप्शन-आउट" फार्म भरकर बैंक में जमा कर दें, आपको बैंक जबरदस्ती फसल बीमा नहीं करेगा। हालांकि फसल बीमा कवर जरूर लेना चाहिए, चाहे आपने कृषि ऋण लिया है या नहीं।

प्रीमियम की गणना

फसल बीमा योजना की अधिकारिक वेबसाइट पर विस्तार से सभी फसलों के बीमा कवर हेतू अलग-अलग प्रीमियम के गणना की विधि विस्तृत रहती है। सामान्य तौर पर ज्यादातर फसलों में किसानों को फसल बीमा कराते वक़्त कुल देय प्रीमियम का मात्र एक से दो प्रतिशत ही भुगतान करना होता है, हालांकि कुछ फसलें ऐसी भी जिनमें बीमा कवर लेने हेतु किसानो को पांच प्रतिशत तक का भुगतान करना पड़ता है। प्रीमियम की गणना हेतु आप pmfby.gov.in साइट से सहयोग भी ले सकते है। प्रीमियम गणना हेतु फसलों को विभिन श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जैसे रबी, खरीफ, वाणिज्यिक एवं बागवानी। सभी में बीमा कवर का प्रीमियम बहुत हीं कम, लगभग एक से पांच प्रतिशत ही कृषक को देना होता है। शेष प्रीमियम सरकार द्वारा सब्सिडी के तौर पर भरा जाता है। इसका उद्देश्य यह है कि सभी कृषक इसमें समाहित हो सकें ताकि आपदा में नुकसान से किसानो को आर्थिक परेशानी नही हो।

कुछ अलग है नई फसल बीमा योजना

13 मई 2016 से पहले फसल बीमा योजना दो स्वरूपों में थी। पहली नेशनल एग्री एश्योरेंस स्कीम और दूसरी माडिफाई एग्री एश्योरेंस स्कीम। इन दोनों योजनाओं में दावा भुगतान प्रक्रिया बहुत हीं लम्बी होने के साथ-साथ अन्य जटिलताएं व्याप्त थीं, इनकी खामियों को दूर करते हुए, कृषकों को सुगमतापूर्वक फसल बीमा योजना का लाभ प्राप्त हो सके इसलिए देश के कृषि मंत्रालय ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू किया। इसमें अधिकतम क्लेम बीस लाख रुपये तक निर्धारित है। किसानों के लिए मददगार इस योजना का मुख्या उद्देश्य किसानों का सशक्तिकरण करना और किसानो को फसल सम्बंधित नुकसान की भरपाई करना है।

यूपीआई से कैसे लिंक कराएं रुपे क्रेडिट कार्ड

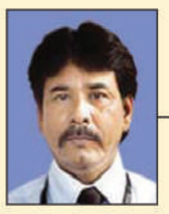

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

देश के वित्तीय क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था अपनाने में भारत भी दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। अपने इसी प्रयासों के तहत देश में रुपे क्रेडिट कार्ड लांच करके मास्टर कार्ड और वीजा कार्ड के वर्चस्व को तोड़ा गया और अब रुपे आधारित क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने की सुविधा भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रदान कर दी गई। रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने के कार्डधारकों को कई फायदे मिलेंगे साथ ही देश के कारोबारियों को भुगतान में काफी आसानी हो जाएगी। इसके अलावा आनलाइन शापिंग, बिल भुगतान इत्यादि में भी काफी आसानी होने लगेगी। रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से कैसे लिंक कराना है, यह सुविधा कैसे काम करेगी और इस सुविधा के जरिए भुगतान के क्या नियम होंगे। आइए इस तरह के तमाम सवालों के जवाब जानने की कोशिश करते हैं।

क्यूआर कोड के जरिए होगा भुगतान

अभी तक रुपे क्रेडिट कार्डधारक बिलों का भुगतान करने के लिए अपने कार्ड को पीओएस मशीन में स्वाइप कराते थे। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ी दिक्कत यह आती थी कि कई ट्रेडर्स ऐसे होते थे जिनके पास अपनी पीओएस मशीनें नहीं थीं। ऐसे में रुपे आधारित क्रेडिट कार्डधारक कई जगह भुगतान करने में खुद को असहाय महसूस करते थे। रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने के बाद कोई भी रुपे क्रेडिट कार्डधारक यूपीआई कोड का इस्तेमाल करके विभिन्न तरह के मंचों पर भुगतान की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

रुपे क्रेडिट कार्ड को कैसे कराएं लिंक

अगर आपके पास भी रुपे आधारित क्रेडिट कार्ड है तो आप भी इस कार्ड को यूपीआई से लिंक कराकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। हम आपको रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने की प्रक्रिया के बारे में बता रहे हैं। इस प्रक्रिया को अपनाकर आप भी आसानी के साथ इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकेंगे। सबसे पहले आपको अपने स्मार्टफोन में यूपीआई ऐप को डाउनलोड करना होगा। इस ऐप पर अपना बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालें और ओटीपी के जरिए अपने मोबाइल नंबर को वैरिफाई कर लें। इस तरह यूपीआई ऐप पर आपका पंजीकरण हो जाएगा अर्थात आपका अकाउंट बन जाएगा। अब आपको इस ऐप पर दिये 'लिंक क्रेडिट कार्ड' बटन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपके सामने लगभग सभी बैंकों की एक सूची आ जाएगी। आप इसमें से अपने क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता बैंक के नाम पर क्लिक करें। इसके बाद आपको अपने क्रेडिट कार्ड के आखिरी छह अंक और कार्ड एक्सपायर होने का माह और वर्ष डालना होगा। इसके बाद आप अपना छह अंकों वाला अपना यूपीआई पिन सेट कर लें। बस इतनी सी प्रक्रिया को पूरा करने के बाद आप यूपीआई का क्यूआर कोड स्कैन करके रुपे क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान कर सकेंगे।

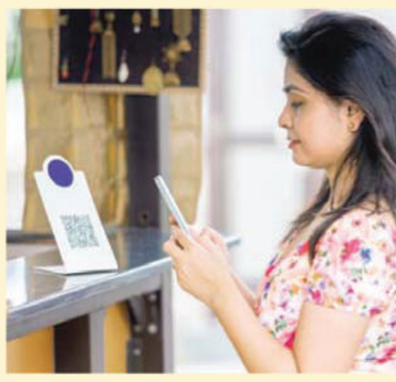

पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने की सुविधा प्रदान कर दी है। देश के केंद्रीय बैंक की इस पहल के बाद रुपे क्रेडिट कार्डधारक क्यूआर कोड स्कैन करके किसी भी तरह का भुगतान कर सकते हैं आइए यह जानने की कोशिश करते हैं कि देश के केंद्रीय बैंक की इस पहल का क्या असर होगा, इसका किसे व कितना फायदा मिलेगा और नई व्यवस्था का इस्तेमाल करके अधिकतम कितना भुगतान किया जा सकेगा

किन बातों की बरतें सावधानी

यूपीआई पर प्रतिदिन प्रति कार्ड एक लाख रुपए तक का भुगतान करने की सुविधा होती है। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आपके क्रेडिट कार्ड में भुगतान की जो लिमिट है उसका पालन करना अनिवार्य है। रुपे क्रेडिट कार्ड धारक इस सुविधा का इस्तेमाल करके 'पर्सन टू पर्सन, कार्ड-टू-कार्ड या नकदी में भुगतान नहीं कर सकते और ना ही प्राप्त कर सकते हैं। इसके जरिए सिर्फ यूपीआई यूजर्स को ही पैसे भेज व प्राप्त किए जाने की सुविधा दी गई है। इसके अलावा रुपे क्रेडिट कार्डधारक किसी अन्य भुगतान प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने वालों को भी भुगतान नहीं कर सकेंगे।

दोनों पिन अलग रखें

इस सुविधा का इस्तेमाल करने वालों को चाहिए कि वे यूपीआई के जरिए सीधे भुगतान और क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान का अलग-अलग पिन सेट कर लें। इससे उनके बैंक खाते पर साइबर जोखिम कम होगा। साथ ही इस सुविधा के जरिए सिर्फ व्यापारियों को क्यूआर कोड, यूपीआई पर सीसी का उपयोग करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफार्म को ही भुगतान करें। इसमें क्रेडिट कार्ड व अन्य बिलों का भुगतान करने के लिए आटो पे की सुविधा भी दी गई है। आप विभिन्न बिलों के समय पर भुगतान के लिए आटो पे सुविधा को एक्टिवेट कर सकते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

रुपे आधारित क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कराने के बाद आपको अपने बैंक व यूपीआई प्लेटफार्म पर अपने मोबाइल फोन नंबर को हमेशा अपडेट रखना होगा अन्यथा भुगतान के समय दिक्कत भी आ सकती है। साथ ही किसी को भी भुगतान करने से पहले यूपीआई ऐप पर अपना बैलेंस जरूर चेक कर लें ताकि अगर किसी कारणवश आपके खाते से ज्यादा पैसे कट जाते हैं तो आपको इसका पता तुरंत चल जाए और आप आवश्यक कार्यवाही करके अपने पैसे वापस हासिल कर सकें। ■

लखनऊ में आज जीत का सिक्सर लगाने उतरेगी टीम इंडिया

आईसीसी वनडे वर्ल्डकप: गत चैंपियन इंग्लैंड से होगी भिड़ंत, मैच दोपहर 2.00 बजे से

लखनऊ,(एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्डकप-2023 में अब तक अजेय भारतीय टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत का छक्का लगाने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं गत विजेता को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए इस मैच को हर हाल में जीतना होगा। यह मुकाबला अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम, लखनऊ में दोपहर 02:00 बजे से खेला जाएगा।

2019 के चैंपियन इंग्लैंड को कप्तान रोहित शर्मा और शानदार फार्म में चल रहे विराट कोहली पर काबू पाना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ विराट का प्रदर्शन अब तक औसत रहा है मगर बदले हालात में विराट को रोकना गोरे गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। वहीं विराट इस मैच में शतक लगाकर अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर सकते हैं। पिछले मुकाबले में भारत की जीत में अहम भूमिका अदा करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रखने वाले रविचंद्रन अश्विन के अंतिम एकादश में शामिल किए जाने पर भी खेल प्रेमियों की नजर रहेगी। इसके अलावा लोकल ब्वाय कुलदीप यादव घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारत के लिए तुरूप का इक्का साबित हो सकते हैं। सिक्सर किंग रोहित शर्मा विश्वकप में विरोधी टीमों के लिए सिरदर्द साबित हुए हैं।

वर्ल्डकप हेड-टू-हेड

कुल मैच	08
भारत जीता	04
इंग्लैंड जीता	03
टाई	01

भारत को खलेगी हार्दिक पंड्या की कमी

भारत को इस मैच में हरफनमौला हार्दिक पंड्या की कमी खलेगी। स्पिनरों की मददगार पिच पर आम तौर पर शार्दुल ठाकुर की जगह रविचंद्रन अश्विन को उतारा जाता लेकिन पंड्या की गैर मौजूदगी में टीम प्रबंधन को पांच गेंदबाजों के साथ ही उतरना पड़ सकता है। अगर भारतीय टीम अश्विन को अंतिम एकादश में मौका देती है तो सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि किसे बाहर किया जाएगा। क्योंकि तीसरे पेसर मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में 5 विकेट झटके थे।

पिच रिपोर्ट

इकाना स्टेडियम की पिच अब तक बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हुई है, ऐसे में यहां रनों का अंबार लगने की पूरी संभावना है। इकाना स्टेडियम की बात करें तो यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की सफलता का प्रतिशत कहीं ज्यादा है, ऐसे में अब तक रन चेज करने में सफल रही भारतीय टीम अगर टॉस जीतती है तो उसका चयन एक बार फिर पहले क्षेत्ररक्षण का होगा। वैसे भी शाम के समय इस मैदान पर ओस की भूमिका अहम रहने वाली है।

मौसम का मिजाज

भारत और इंग्लैंड के मैच में भी बारिश की कोई संभावना नहीं है रविवार को लखनऊ में मैच शुरुआत होने के समय तापमान करीब 31 डिग्री रहने की उम्मीद है। शाम होने पर यह 25 के आसपास आ सकती है। ज्यादातर समय आसमान में बादल रह सकते हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपलब्ध नहीं), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन, सूर्यकुमार यादव।

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), जो रूट, जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, बेन स्टोक्स, मोइन अली, क्रिस वोक्स, सैम करेन, डेविड विली, आदिल राशिद, मार्क वुड, रीस टॉपले, गस एटकिंसन।

वनडे क्रिकेट में दोनों टीमों का प्रदर्शन

वनडे में दोनों टीमों के बीच कुल 106 मैच हुए हैं। जिसमें 57 मैचों में भारतीय टीम और 44 मैचों इंग्लैंड की टीम की जीत मिली। 3 मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया। 2 मैच टाई रहे हैं।

जीत के मुहाने पर आकर महज पांच रनों से हार गई कीवी टीम

वर्ल्डकप के हाईस्कोरिंग मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने मारी बाजी, जीत के साथ सेमी का दावा मजबूत

धर्मशाला,(एजेंसी)। ट्रैविस हेड (109) और डेविड वार्नर (81) के बीच 175 रन की तूफानी भागीदारी की के बाद सधी हुई गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को आईसीसी वर्ल्डकप 2023 के रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच रन से हराकर चौथी जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 388 रन का स्कोर खड़ा किया। जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम नौ विकेट पर 383 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम रचिन रवींद्र के शतक और आखिरी ओवरों में नीशम की तूफानी पारी के बाद भी जीत नहीं सकी। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में जीत के लिए 19 रन चाहिए थे। शुरुआती चार गेंदों में कीवी टीम ने 12 रन बना लिए थे और आखिरी दो गेंद पर सात रन चाहिए थे लेकिन नीशम पांचवीं गेंद पर रन आउट हो गए और मैच की आखिरी गेंद पर एक भी रन नहीं बना। ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम जम्पा ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके। वहीं हेजलवुड और कमिंस को दो-दो विकेट मिले।

स्कोर बोर्ड

एऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर कै. एवं बो. फिलिप्स	81	65	5/6
ट्रैविस हेड बो. फिलिप्स	109	67	10/7
मिचेल मार्श बो. सैंटनर	36	51	2/0
स्टीव स्मिथ कै. बोल्ट बो. फिलिप्स	18	17	2/0
मार्नस लाबुशेन कै. रविंद्र बो. सैंटनर	18	26	2/0
ग्लेन मैक्सवेल कै. बोल्ट बो. नीशम	41	24	5/2
जॉश इंग्लस कै. फिलिप्स बो. बोल्ट	38	28	4/1
पैट कमिंस पगबाधा बोल्ट	37	14	2/4
मिचेल स्टार्क कै. नीशम बो. हेनरी	01	03	0/0
एडम जम्पा बो. बोल्ट	00	03	0/0
जॉश हेजलवुड नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 49.2 ओवर में 388 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-175, 2-200, 3-228, 4-264, 5-274, 6-325, 7-387, 8-388, 9-388, 10-388 **गेंदबाजी:** मैट हेनरी 6.2-0-67-1, ट्रेंट बोल्ट 10-0-77-3, लॉकी फर्ग्युसन 3-0-38-0, मिचेल सैंटनर 10-0-80-2, ग्लेन फिलिप्स 10-0-37-3, रचिन रविंद्र 8-0-56-0, जिमी नीशम 2-0-32-1,

न्यूजीलैंड	रन	गेंद	4/6
डेवन कॉन्वे कै. स्टार्क बो. हेजलवुड	28	17	6/0
विल यंग कै. स्टार्क बो. हेजलवुड	32	37	4/1
रचिन रविंद्र कै. मार्नस बो. कमिंस	116	89	9/5
डैरिल मिचेल कै. स्टार्क बो. जम्पा	54	51	6/1
टॉम लेथम कै. हेजलवुड बो. जम्पा	21	22	2/0
ग्लेन फिलिप्स कै. मार्नस बो. मैक्सवेल	12	16	1/0
जिमी नीशम रन आउट	58	39	3/3
मिचेल सैंटनर कै. मैक्सवेल बो. जम्पा	17	12	1/1
मैट हेनरी कै. हेजलवुड बो. कमिंस	9	8	1/0
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	10	8	0/1
लॉकी फर्ग्युसन नाबाद	00	1	0/0

अतिरिक्त: 26, **कुल:** 50 ओवर में नौ विकेट पर 383 रन, **विकेट पतन:** 1-61, 2-72, 3-168, 4-222, 5-265, 6-293, 7-320, 8-346, 9-383, **गेंदबाजी:** मिचेल स्टार्क 9-0-89-0, जॉश हेजलवुड 9-0-70-2, पैट कमिंस 10-0-66-2, ग्लेन मैक्सवेल 10-0-62-1, एडम जम्पा 10-0-74-3, मिचेल मार्श 2-0-18-0.

रिकॉर्ड 771 रन, 65 चौके, 32 छक्के

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले में रनों की बारिश हुई। दोनो टीमों को मिलाकर कुल 771 रन बने। जोकि विश्वकप के एक मैच में सर्वोच्च रिकॉर्ड हैं। वहीं कुल 19 विकेट भी गिरे। इस दौरान कुल 32 छक्के लगाए गए, जिसमें 20 छक्के ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने और 12 न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने जड़े।

विश्वकप डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले 5वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बने हेड

ट्रेविस हेड विश्वकप डेब्यू मैच में शतक लगाने वाले 5वें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ट्रेविस हेड ने तीसरा सबसे तेज शतक जड़ा। वहीं, वर्ल्डकप में डेब्यू करते हुए यह सबसे तेज शतक है। ट्रेविस हेड ने 59 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

रचिन रवींद्र ने की सचिन तेंदुलकर की बराबरी: भारतीय मूल के रचिन रवींद्र वर्ल्डकप इतिहास में 24 साल से कम उम्र में दो शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रचिन से पहले यह कारनामा सिर्फ सचिन तेंदुलकर ने किया था। साल 1996 के वर्ल्डकप में सचिन ने दो शतक उस समय लगाए थे। जब उनकी उम्र 24 साल से कम थी। इसके अलावा रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड के लिए वनडे वर्ल्डकप में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। रचिन ने 77 गेंद पर यह शतक लगाया।

वर्ल्डकप में सर्वाधिक छक्के

49	क्रिस गेल
40	रोहित शर्मा
37	एबी डिविलियर्स
36	डेविड वॉर्नर*
33	ग्लेन मैक्सवेल
33	रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलिया के लिए एक वनडे पारी में सर्वाधिक छक्के

20 बनाम न्यूजीलैंड	2023*
19 बनाम भारत	2023
19 बनाम पाकिस्तान	2023
16 बनाम न्यूजीलैंड	2007
16 बनाम बांग्लादेश	2011

मैक्सवेल ने जड़ा वर्ल्डकप 2023 का सबसे लम्बा छक्का

न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल ने विश्वकप 2023 का सबसे लम्बा छक्का जड़ा। मैक्सवेल ने 104 मीटर लम्बा छक्का लगाकर भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 101 मीटर का लंबा छक्का लगाया था। इस सूची में मैक्सवेल और श्रेयस के बाद तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के ही डेविड वॉर्नर हैं।

वर्ल्डकप में नीदरलैंड्स ने बांग्लादेश को भी चौंकाया

87 रन से जीता मैच, मीकरेन ने झटके चार विकेट

कोलकाता,(एजेंसी)। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (68) के अर्धशतक और वेस्ली बरेसी (41) और साइब्रैंड एंगलब्रेख्त (35) की जुझारू पारियों के बाद मैन ऑफ द मैच पाल वैन मीकरेन (23 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड्स ने शनिवार को आईसीसी विश्वकप मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 87 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

नीदरलैंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 229 रन बनाए। जिसके जवाब में बांग्लादेश के शेर 42.2 ओवर के खेल में 142 रन पर ढेर हो गए। नीदरलैंड्स की मौजूदा विश्वकप में यह दूसरी जीत है। इससे पहले उसने बड़ा उलटफेर करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आसान जीत दर्ज की थी। नीदरलैंड्स की जीत के नायक कप्तान स्कॉट एडवर्डस और वैन मीकरेन रहे। नीदरलैंड्स के गेंदबाजी आक्रमण के सामने बांग्लादेशी असहज नजर आए। मेहदी हसन मिराज (35) टीम के टॉप स्कोरर रहे। मध्यक्रम के फ्लाप होने के बाद पुछल्ले बल्लेबाजों ने कुछ संघर्ष कर जीत हार के अंतर को कम करने की कोशिश की। इससे पहले टर्न और बाउंस से भरपूर ईडन गार्डन की पिच पर बांग्लादेश के गेंदबाजों ने नीदरलैंड्स की सलामी जोड़ी को महज चार रन में पवेलियन वापस पहुंचा कर मुश्किल में डाल दिया था मगर बरेसी और कॉलिन ऐकरमैन (15) ने 59 रन की साझीदारी कर स्कोरबोर्ड को सहजता से आगे बढ़ाया।

स्कोर बोर्ड

नीदरलैंड्स	रन	गेंद	4/6
विक्रमजीत सिंह कै. शाकिब बो. तस्किन	03	09	0/0
मैक्स ओडाउड कै. तंजिद बो. इस्लाम	00	03	0/0
वेस्ली बरेसी कै. शाकिब बो. मुस्तफिजुर	41	41	8/0
ऐकरमैन कै. मुस्तफिजुर बो. शाकिब	15	33	1/0
स्कॉट एडवर्ड्स कै. मिराज बो. मुस्तफिजुर	68	89	6/0
बास डलीडे कै. मुशफिकुर बो. तस्किन	17	32	2/0
साइब्रैंड एंगलब्रेख्त पगबाधा महेदी	35	61	3/0
लोगन वैन बीक नाबाद	23	16	2/1
शारिज अहमद रनआउट	06	08	0/0
आर्यन दत्त कै. मिराज बो. इस्लाम	09	06	0/1
पॉल वैन मीकरेन बो. महेदी	00	02	0/0

अतिरिक्त: 12, **कुल:** 50 ओवर में 229 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-3, 2-4, 3-63, 4-63, 5-107, 6-185, 7-185, 8-194, 9-212, 10-229 **गेंदबाजी:** शोरिफुल इस्लाम 10-0-51-2, तस्किन अहमद 9-1-43-2, शाकिब अल हसन 10-1-37-1, मेहदी हसन मिराज 4-0-17-0, मुस्तफिजुर रहमान 10-1-36-2, महेदी हसन 7-0-40-2.

बांग्लादेश	रन	गेंद	4/6
लिटन कुमार दास कै. एडवर्ड्स बो. दत्त	03	12	0/0
तंजिद हसन कै. एडवर्ड्स बो. वैन बीक	15	16	3/0
मेहदी हसन कै. एडवर्ड्स बो. डलीडे	35	40	5/1
नजमुल शान्तो कै. बीक बो. मीकरेन	09	18	2/0
शाकिब अल कै. एडवर्ड्स बो. मीकरेन	05	14	0/0
मुशफिकुर रहीम बो. मीकरेन	01	05	0/0
महमुदउल्लाह कै. दत्त बो. डलीडे	20	41	2/0
महेदी हसन रन आउट	17	38	1/0
तस्किन अहमद कै. डलीडे बो. मीकरेन	11	35	1/0
मुस्तफिजुर रहमान कै. ऐकरमैन	20	35	2/1
शोरिफुल इस्लाम नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 42.2 ओवर में 142 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-19, 2-19, 3-45, 4-63, 5-69, 6-70, 7-108, 8-113, 9-142, 10-142 **गेंदबाजी:** आर्यन दत्त 10-3-26-1, लोगन वैन बीक 9-1-30-1, कॉलिन ऐकरमैन 7-1-25-1, पॉल वैन मीकरेन 7.2-0-23-4, बास डलीडे 7-0-25-2, शारिज अहमद 2-0-13-0.

वर्ल्डकप काउंटर

बाउंड्री मीटर

छक्के	373
चौके	1330

सर्वाधिक रन

खिलाड़ी	टीम	रन
क्विंटन डी कॉक	द.अफ्रीका	431
डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	413
रचिन रविंद्र	न्यूजीलैंड	406

सर्वाधिक विकेट

खिलाड़ी	टीम	विकेट
एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	16
मिचेल सैंटनर	न्यूजीलैंड	14
मार्को यानसन	द. अफ्रीका	13

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
दक्षिण अफ्रीका	6	5	1	10	2.032
भारत	5	5	0	10	1.353
न्यूजीलैंड	6	4	2	8	1.232
ऑस्ट्रेलिया	6	4	2	8	0.970
श्रीलंका	5	2	3	4	-0.205
पाकिस्तान	6	2	4	4	-0.387
अफगानिस्तान	5	2	3	4	-0.969
नीदरलैंड्स	6	2	4	4	-1.277
बांग्लादेश	6	1	5	2	-1.338
इंग्लैंड	5	1	4	2	-1.634

पैरा एशियन गेम्स में रिकॉर्ड 111 पदकों के साथ भारत का अभियान समाप्त

हांगझोऊ,(एजेंसी)। भारत ने हांगझोऊ में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में 111 पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त कर इतिहास रच दिया है। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ कुल 111 पदक जीते, जो किसी भी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में देश के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। शनिवार को आखिरी दिन भारत ने चार स्वर्ण सहित 12 पदक अपने नाम किए। सात पदक शतरंज से, चार एथलेटिक्स से और एक रोइंग से आया। एशियाई खेलों में भी भारत ने 100 से ज्यादा पदक जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। अब भारत ने पैरा एशियन गेम्स में इस तोड़कर नई उपलब्धि हासिल की। पैरा एशियाई खेलों में पिछला रिकॉर्ड 72 पदकों का था। भारत ने 2018 संस्करण की तुलना में 39 अधिक पदक जीते, जिसमें एथलेटिक्स में भारत के कुल 111 में से 55 (18 स्वर्ण, 17 रजत, 20) का योगदान रहा।

भोपाल की मुस्कान लुनावत खेलेंगी नेशनल गेम्स

भोपाल,(खेसं)। राजधानी की युवा खिलाड़ी मुस्कान लुनावत 37 वें नेशनल गेम्स में भोपाल का प्रतिनिधित्व कर रहीं हैं। प्रतियोगिता के रोलबॉल स्पर्धा में भाग लेने मुस्कान गोवा पहुंच चुकी हैं। उनके साथ भोपाल की ही श्रुति मेवाड़ा भी इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। खेलों के इस महाकुंभ में रोलबॉल स्पर्धा 30 अक्टूबर से 2 नवंबर 2023 तक मनोहर परिकर इंडोर स्टेडियम, नवेलियम गोवा में आयोजित की जाएगी। मुस्कान लुनावत बीजेपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष और खेलप्रेमी स्वर्गीय विजेश लुनावत की बड़ी पुत्री हैं। हर साल स्वर्गीय लुनावत की स्मृति में होने वाले मैत्री क्रिकेट मैच में वे महिला टीम की कप्तान रही हैं। मुस्कान मध्यप्रदेश रोलबॉल संघ की महिला टीम की सदस्य हैं। इस टीम ने कड़ी मेहनत कर नेशनल गेम्स के लिए क्वॉलीफाई किया है। टीम ने इंदौर में 17 से 27 अक्टूबर तक आयोजित कैंप में नेशनल गेम्स में मध्यप्रदेश का परचम फहराने के लिए जबरदस्त तैयारी की है। **प्रदेश की रोलबॉल महिला टीम:** जिया जोशी (कप्तान), मुस्कान लुनावत, कृतिका लड्ढ़ा, तृप्ति कौर सैनी, तनीषा अग्रवाल, पलक जैन, देशना जैन, लाभांशि हेजु, सीमा गंगवानिया, श्रुति मेवाड़ा, भूमिका बंसल, अनन्या आचार्य (कोच), अरुण यादव (सहायक कोच) दीपाली गहलोत व मैनेजर सूर्यदत्त जोशी ।

मप्र की हेंडबॉल टीम का चयन ट्रायल 30 को

भोपाल,(खेसं)। गोवा में आयोजित होने वाले 37वें राष्ट्रीय खेल के लिए मप्र की हेन्डबॉल टीम का चयन जीटीसीसी समिति के निर्देशानुसार प्रदेश ओलंपिक संघ के द्वारा किया जाएगा। इसके लिए एक दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन सोमवार 30 अक्टूबर को एमएलबी मैदान राईट टाउन में प्रात:08 बजे से किया जाएगा। इस ट्रायल में मप्र के सीनियर पुरुष हेन्डबॉल खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। चयनित खिलाड़ियों को 37वें राष्ट्रीय खेल में भाग लेने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय खेलों में मप्र ने पुरुष हेन्डबॉल और बीच हेन्डबॉल के लिए क्वॉलीफाई किया हैं।

क्राइस्ट चर्च गर्ल्स स्कूल जबलपुर ने जीता सीबीएसई क्लस्टर 12 एथलेटिक का खिताब

भोपाल (खेसं)। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल भोपाल द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 12 एथलेटिक चैंपियनशिप में क्राइस्ट चर्च गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओवरऑल चैंपियन रहा। तीसरे दिन अंडर 14 आयु वर्ग की 4 गुणा 3100 मीटर रिले रेस में क्राइस्ट चर्च स्कूल जबलपुर ने प्रथम, कार्मल कन्वेंट गर्ल्स स्कूल भोपाल ने दूसरा और आर्मी पब्लिक स्कूल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 आयु वर्ग 4 गुणा 3100 मीटर रिले रेस में सागर पब्लिक स्कूल भोपाल ने प्रथम, क्राइस्ट चर्च स्कूल जबलपुर ने दूसरा और श्री गुरु तेग बहादुर रतलाम में तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-17 आयु वर्ग 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में सागर पब्लिक स्कूल भोपाल प्रथम, आदित्य बिरला स्कूल नागदा दूसरे एवं आर्मी पब्लिक स्कूल भोपाल तीसरे पायदान पर रहा। अंडर-19 आयु वर्ग 4 गुणा 100 मीटर रिले रेस में क्राइस्ट चर्च गर्ल्स स्कूल में प्रथम आदित्य बिरला सीनियर सेकेंडरी स्कूल नागदा मैं दूसरा स्थान एवं श्री गुरु तेग बहादुर स्कूल रतलाम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर 19 आयु वर्ग 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में होली क्रॉस स्कूल खंडवा इंदौर ने तीसरा स्थान आदित्य बिरला सीनियर सेकेंडरी स्कूल नागदा ने दूसरा स्थान एवं क्राइस्ट चर्च गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल जबलपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नोडल क्रिकेट में राधारमण-टीआईटी ने जीते अपने-अपने मुकाबले

भोपाल,(खेसं)। राधारमण समूह क्रिकेट मैदान, रातीबड़ पर आयोजित आरजीपीवी - राधारमण नोडल क्रिकेट के दूसरे दिन राधारमण और टीआईटी ने अपने-अपने मुकाबले जीते। शनिवार को राधारमण इंजीनियरिंग कॉलेज ने सैम कॉलेज को 78 रनों के बड़े अंतर से हराया। राधारमण की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 180 रनों का बड़ा लक्ष्य सैम के समक्ष रखा। लेकिन सैम की टीम काफी कमजोर साबित हुई और 16.4 ओवरों में केवल 97 रन बनकर पवेलियन लौट गई। मैन ऑफ द मैच राकेश कुमार ने 3.4 ओवरों में मात्र 7 रन देकर 8 विकेट लिए। वहीं एक अन्य मैच में टीआईटी के खिलाफ जेएनसीटी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 20 ओवरों में जेएनसीटी ने 8 विकेट पर 116 रन बनाए। इसके जवाब में टीआईटी ने तेजी से लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 ओवरों में 3 विकेट पर 117 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीआईटी के सुजीत यादव ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट झटके।

शिमला-मनाली में नहीं गुजरात को बनाएं हनीमून डेस्टिनेशन, यादगार बनेगा हर पल

शादी के बाद कपल्स को हनीमून की प्लानिंग करना एक बड़ा काम लगता है। वहीं अगर बजट कम होता है तो यह प्लानिंग थोड़ा और भी मुश्किल हो जाती है। क्योंकि फिर आपको भारत में ही हनीमून डेस्टिनेशन के लिए बेस्ट जगह ढूंढनी होती है। ऐसे में कपल्स को जगह चुनने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी हमीमून के लिए किसी अच्छी और बेहतरीन जगह की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि आप अपना हनीमून ट्रिप प्लान गुजरात के लिए कर सकते हैं। जहां पर आप हिल स्टेशन, बीच और जंगल सफारी के साथ टेस्टी खाने का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

ऐसे करें गुजरात में हनीमून ट्रिप प्लान- जहां बहुत सारे कपल्स अपने हनीमून के लिए विदेश जाने का प्लान बनाते हैं। तो वहीं आप हनीमून के लिए गुजरात जा सकते हैं। इस ट्रिप के लिए आप शानदार सा होटल या फिर रिजॉर्ट बुक कर सकते हैं। वहीं बजट कम होने पर आप 5 दिन के लिए होटल बुक कर सकते हैं। एक रात के लिए आपको 1000 से 1500 रुपए के बीच में आसानी से रूम मिल जाएंगे।

घूमने के लिए जगह- कपल्स को अक्सर हनीमून के लिए बीच पर जाना पसंद होता है। हांलाकि अगर आपको भी बीच पसंद हैं, तो आपको गोवा जाने की जरूरत नहीं है। बजट कम होने पर आप गुजरात में भी बीच का मजा ले सकते हैं।

शिवराजपुर बीच- अगर आप बीच पर जाने के शौकीन हैं तो आप शिवराजपुर बीच पर जा सकते हैं। यहां पर काफी कम भीड़ होती है। ऐसे में आप यहां पर अपने पार्टनर के साथ सुकून के कुछ पल पिता सकते हैं। इस जगह से द्वारका करीब 12 किमी दूर है। इस जगह पर सूर्यास्त का नजारा बिलकुल भी मिस ना करें।

सापुतारा- इसके अलावा आप अपनी लाइफ पार्टनर के साथ सापुतारा भी घूमने के लिए जा सकते हैं। गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित सापुतारा एक फेमस हिल स्टेशन है। यहां पर आपको समुद्र, पहाड़ और रेगिस्तान का अलग नजारा देखने को मिलेगा।

कच्छ- अगर आपकी भी शादी सर्दी के मौसम में हो रही है, तो गुजरात आपके लिए सबसे अच्छी जगह है। क्योंकि गुजरात में आप सर्दियों के मौसम में रण उत्सव देख सकते हैं। कच्छ गुजरात की सबसे खूबसूरत और बेहतरीन जगहों में से एक हैं। आप चाहें तो पत्नी के साथ रेगिस्तान में रात गुजार सकते हैं।

भुज- अगर आप इस दौरान ऐतिहासिक चीजें भी देखना चाहती हैं तो भुज जाकर आप निराश नहीं होंगे। यहां पर आप रेगिस्तान की सैर, ऊंट की सवारी, पुराने बाजारों में घूमना और भीड़-भाड़ वाली जगह से दूर एकांत में समय बिता सकते हैं। इसके अलावा इन 6 दिनों के ट्रिप में लक्ष्मी विलास पैलेस, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, अक्षरधाम और साबरमती आश्रम जैसे कई जगहों पर भी घूम सकते हैं।

स्पेशल: वर्ल्ड इंटरनेट-डे, 29 अक्टूबर

अगर पूछा जाए कि किस तकनीक ने हम सबकी जीवनशैली को पिछली सदी की तुलना में पूरी तरह बदल दिया है तो, इसका जवाब होगा-इंटरनेट। यही नहीं पूरी दुनिया को ग्लोबल विलेज में बदलने में सबसे बड़ा रोल इंटरनेट का ही है। इंटरनेट के लाइफ में बढ़ते दखल और इसके प्रभावों पर एक नजर।

दुनिया की लाइफलाइन इंटरनेट लाइफस्टाइल

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

आज इंटरनेट के बिना दुनिया में दो तिहाई लोगों का जीना लगभग नामुमकिन है। इंटरनेट विज्ञान के दूसरे आविष्कारों की तरह महज हमारी सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने वाला एक आविष्कार भर नहीं है। यह आज की तारीख में बहुत बड़े पैमाने पर लोगों की जिंदगी की धड़कन बन गया है।

तीन दशक में बदली जीवनशैली

कई बार सोचकर बड़ा आश्चर्य होता है कि 15 अगस्त 1995 को विदेश संचार निगम लिमिटेड के जरिए भारत पहुंचा इंटरनेट, महज 28 सालों में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी की लाइफलाइन कैसे बन गया? आज इंटरनेट काम ना कर रहा हो तो बैंक का कामकाज ठप्प हो जाता है। इंटरनेट के बिना रेलगाड़ियां, हवाई जहाज जहां हैं, वहीं वैसी ही स्थिति में रुक जाएंगी। बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट मीटिंग्स, डिसीजंस नहीं हो पाएंगे, यहां तक कि अगर इंटरनेट बाधित हो तो दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाएं युद्ध भी नहीं कर सकतीं, क्योंकि आज सब कुछ सेंसर कंट्रोल हो चुका है। आज सब कुछ सिग्नल्स पर चलता है और ये सिग्नल्स इंटरनेट से पैदा होते हैं।

हर किसी के लिए हुआ जरूरी

इंटरनेट हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है और यह किसी खास वर्ग या हैसियत तक सीमित नहीं है। आज सब्जी मंडी में सब्जी बेचने वाला भी इस पर निर्भर है तो सर्राफा बाजार का सबसे बड़ा कारोबारी भी इसी के इशारे से चलता है। सड़क पर टैक्सी चलाने वाला ड्राइवर इसी के इशारे पर आगे बढ़ने के लिए बाध्य है। हर किसी का कारोबार इससे प्रभावित हुआ है। साल 2010 के आस-पास तक हर साल शादी-ब्याह में पूरे देश में 20-25 करोड़ से ज्यादा मैरिज कार्ड छपते थे। आज इनकी संख्या घटकर कुछ लाखों तक सीमित हो गई है, क्योंकि ज्यादातर लोगों को कार्ड व्हाट्सएप के जरिए भेज दिए जाते हैं। लोगों को निमंत्रण देने की बात हो या औपचारिक-अनौपचारिक संपर्क करने का तरीका, सब कुछ इंटरनेट के जरिए हो रहा है। पहले जब लोग विदेश जाते थे, तो हम सालों-साल उन्हें देख नहीं पाते थे। विदेश छोड़िए, लोग देश में ही जब घर से बाहर चले जाते थे, तो उन्हें दोबारा से देखना तभी संभव होता था, जब वह लौटकर घर आ जाते थे। आज आप देश-दुनिया के किसी कोने में हों, वीडियो कॉलिंग से ना सिर्फ आपको देखना संभव है बल्कि आमने-सामने बात करना, हंसना बोलना, मनोरंजन तक सब कुछ संभव है।

हो जाते हैं हर तरह के काम

आज दुनिया में 20 फीसदी से ज्यादा फैसले इंटरनेट के कारण बिना अदालत में गए ऑनलाइन होते हैं। आज दुनिया में 75 से 80 फीसदी वैश्विक कारोबार लोगों को बिना आमने-सामने मिले, बिना बैठक किए इंटरनेट के जरिए ऑनलाइन मिलने, मीटिंग करने आदि के जरिए संपन्न हो जाते हैं। दुनिया में 25 फीसदी से ज्यादा एकेडमिक पढ़ाई-लिखाई अब वर्चुअल होती है, मतलब अध्यापकों का या छात्रों का एक-दूसरे के सामने मौजूद होना जरूरी नहीं है। इंटरनेट के जरिए अमेरिका में बैठा अध्यापक भारत के छात्रों को पढ़ा रहा होता है, तो भारत के अध्यापक अमेरिका, यूरोप कहीं के छात्रों को पढ़ा रहे होते हैं। इंटरनेट ने हमारी जीवनशैली के हर पहलू पर क्रांतिकारी परिवर्तन कर दिए हैं।

संपर्क माध्यम में आई क्रांति

इंटरनेट के जरिए पत्र व्यवहार जैसा भावुक रिश्ता पूरी तरह से बदल गया है। पहले लोग चिट्ठियों का इंतजार करते थे, आज किसी भी पल किसी से संपर्क करना हो, फटाफट मेल लिखी और वह उसी समय उस तक पहुंच जाती है। ना डाकिए की राह देखने की जरूरत पड़ती है और ना ही पत्रों के इंतजार में दिन गिनने पड़ते हैं। एक जमाने में जब दूर मौजूद लोगों से बातचीत या संपर्क का जरिया पत्र व्यवहार ही हुआ करता था, तब हम मुश्किल में पूरे साल में 10 नए लोगों से पत्र व्यवहार कर पाते थे। लेकिन इंटरनेट ने हमें इस कदर बदल कर रख दिया है कि आज हम हर दिन औसतन 22 से 27 लोगों से बात करते हैं, जिनमें कम से कम 5 अजनबी यानी ऐसे लोग होते हैं, जिनसे हमारा पहले से परिचय नहीं होता। हमारी जिंदगी का कोई भी ऐसा काम नहीं है, जो आज इंटरनेट से किसी ना किसी रूप में जुड़ा ना हो। इसलिए आज इंटरनेट सही मायनों में हमारी जिंदगी की ऑक्सीजन बन गया है।

नेट कनेक्शन का हब बना भारत

भारत पनडुब्बी केबल के जरिए इंटरनेट से जुड़ा हुआ है। पूरी दुनिया समुद्र में पड़ी बड़ी-बड़ी इंटरनेट केबल्स के जरिए आपस में जुड़ी हुई है। भारत आमतौर पर नई तकनीकी के मामले में इतना फ्रेंडली पहले नहीं हुआ करता था, लेकिन आज भारत में हर महीने 10 लाख से ज्यादा फोन खरीदे जाते हैं और हर महीने 50 हजार से ज्यादा अब भी नए कनेक्शन और मोबाइल सेट लिए जाते हैं, क्योंकि भारत इंटरनेट कम्युनिकेशन का हब है।

वर्ल्ड इंटरनेट डे मनाए जाने का कारण यही है कि इस तकनीक ने हमारी जिंदगी बदलकर रख दी है, इसलिए हम इसके महत्व को समझें और इसके सही उपयोग को लेकर सजग रहें। *

पासवर्ड नहीं अब आ रहा पास-की

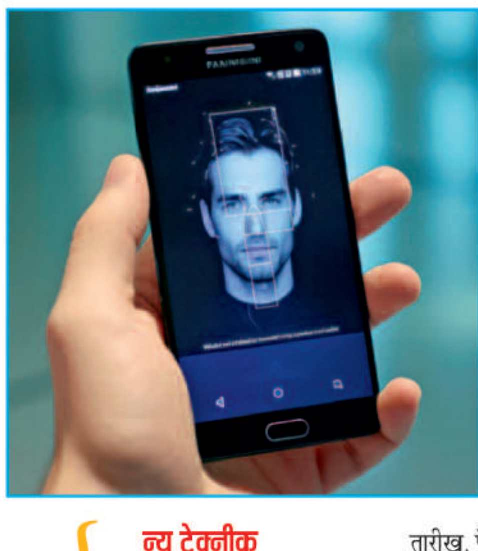

जैसे-जैसे दुनिया इंटरनेट पर डिपेंड होती जा रही है, साइबर क्राइम्स के खतरे भी बढ़ रहे हैं। इसके लिए अभी तक यूज हो रहे पासवर्ड की जगह पूरी तरह पास-की ले लेगा। उम्मीद की जा सकती है कि इससे साइबर क्राइम्स काफी कम हो जाएंगे।

न्यू टेक्नीक
शिखर चंद जैन

विकास के सहयोगी मेहुल से ऑफिस में सब डरते हैं। उसमें एक गजब का टैलेंट है। वह देखते ही देखते किसी के भी पासवर्ड को थोड़े से प्रयास से क्रैक कर लेता है। मेहुल जैसा टैलेंट देश में बहुत से लोगों के पास है। विशेष रूप से साइबर अपराधी इस काम में माहिर होते हैं। इसीलिए तो वे बड़ी आसानी से किसी भी एप या साइट को हैक करके रुपया उड़ा लेते हैं या अन्य अपराध कर लेते हैं।

फीडो का नवाचार : साइबर अपराध के खतरे से बचने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण एप्स को एक्सेस करने के लिए अब फीडो एलायंस ने एक नई तकनीक ईजाद की है, जो काफी सुरक्षित है। इसे क्रैक करना बेहद मुश्किल है। फीडो का अर्थ है-फास्ट आइडेंटिटी ऑनलाइन। यह तकनीक एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अन्य टेक कंपनियों का साझा प्रयास है। इसमें पासवर्ड की बजाय 'पास-की' से एक्सेस की सुविधा होगी।

क्या है पास-की: पास की के माध्यम से आप अपने डिवाइस (लैपटॉप या मोबाइल) से सीधा अपने एप तक पहुंच पाते हैं। इसमें पिन अनलॉक कोड या बायोमेट्रिक का इस्तेमाल किया जाता है। बायोमेट्रिक का अर्थ हुआ फिंगर प्रिंट, फेस स्कैन या किसी विशेष फिजिकल सिक्योरिटी डोंगल के जरिए अनलॉक करना। इस बिना पासवर्ड वाले सिस्टम में इंसान द्वारा पढ़ने लायक कोई सूचना ना होकर, उपकरण और इंटरनेट के बीच सीधा संवाद होता है। आपकी पहचान की पुष्टि तभी की जाती है, जब आपका स्मार्टफोन या लैपटॉप खुद द्वारा तैयार वन यूज यानी एकल उपयोग योग्य कोड इंटरनेट को या आपके एप को भेजता है।

पास-की के फायदे: साइबर क्रिमिनल्स, तरह-तरह की बातें बनाकर, साजिश के तहत लुभाने वाले झूठे लिंक भेजकर, नकली सर्विस प्रोवाइडर या सरकारी मुलाजिम बनकर आपसे ओटीपी या पासवर्ड हथिया सकते हैं। या फिर आपको बातों में उलझा कर आपकी जन्म तारीख, पैन नंबर, आधार नंबर जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां चुराकर आसानी से आपके पासवर्ड को जनरेट या गेस कर सकते हैं। लेकिन पास-की आपकी मुट्ठी में रहती है। यह सिर्फ आपके डिवाइस से ही संचालित हो सकती है। यह कभी लीक नहीं हो सकती। इसमें सुरक्षा की कई परतों का इंतजाम होता है। आपकी पास-की आईक्लाउड में सुरक्षित रहेगी।

क्यों जरूरी है पास-की: आज आए दिन देखा जाता है कि पलक झपकते ही आपके बैंक खाते से लाखों रुपए उड़ा लिए जाते हैं। आपकी पहचान चुराकर आपके दोस्तों और परिचितों से रुपए झटक लिए जाते हैं या आपकी पहचान का इस्तेमाल करके कोई अपराध कर लिया जाता है। दरअसल, पासवर्ड याद रखने के चक्कर में लोग अकसर इसे बहुत आसान बना लेते हैं। साइबर क्रिमिनल्स को पता है कि आपने एबीसी, 123 या अपने जन्म की तारीख, वर्ष, अपने नाम का पहला या अंतिम हिस्सा या अपनी पत्नी या बेटी के नाम का कोई अंश शामिल करके पासवर्ड बनाया होगा। इसलिए उनके लिए काम बहुत आसान हो जाता है। ऐसी विकट परिस्थिति में पास-की का इस्तेमाल बहुत जरूरी हो गया है।

अगर खो जाए डिवाइस: आपके मन में शंका होगी कि किसी ने स्मार्टफोन या लैपटॉप ही चुरा लिया तब तो वह आपके सारे एप खोल लेगा। या अगर डिवाइस खो जाए तो क्या करें? ऐसे में परेशान ना हों क्योंकि पास-की में बायोमेट्रिक पहचान जरूरी है, जैसे फिंगर प्रिंट या आपका फेस स्कैन आदि। आपका पास-की आईक्लाउड में रहता है। इसलिए जब आप नया डिवाइस लेंगे तो आप फिर से इसे उसमें अपनी फिंगर प्रिंट या फेस स्कैन को अपलोड कर सकते हैं। *

प्रिकॉशन / एम. शर्मा

इंटरनेट यूज करने की समझ है जरूरी

इंटरनेट की आभासी दुनिया आज हमारे वास्तविक संसार का सच बन चुकी है। संदेश या सूचना भेजने से कहीं आगे बढ़कर वर्चुअल वर्ल्ड अब हमारे जीवन में गहरी दखल रखने लगा है। लेकिन इसके साथ जरूरी है कि तकनीक के इस्तेमाल की समझ और जिम्मेदारी का भाव भी हम में हो।

एडिक्शन से बचें: हर सुविधा के साथ कुछ असुविधाजनक पक्ष भी जुड़े होते हैं। दुनिया से जोड़ने वाले इंटरनेट ने हमें करीबी अपनों से ही दूर कर दिया है। मौजूदा समय में दुनिया के 46 प्रतिशत से अधिक लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि तकनीक से मिली इस सुविधा को सनक ना बनाया जाए। हर ओर से घेरते तकनीकी संसार में हमें याद रखना होगा कि सर्च और अपडेट्स के बाहर भी एक दुनिया है, हमारी सामाजिक-पारिवारिक दुनिया। देश-दुनिया से हमें व्यावहारिक धरातल पर जोड़ने वाला सामुदायिक संसार। इसीलिए ध्यान रहे कि ज्ञान और मनोरंजन के संसार में मन का सधापन भी बना रहे। चिंता की बात है कि जरूरत बनकर हमारी जिंदगी में आई इंटरनेट की दुनिया अब लत बन रही है। हमारे देश में साइबर एडिक्शन से जुड़ा एक सर्वे कहता है कि 18 से 30 साल के 5 में से 3 युवा अपने स्मार्टफोन के बिना बेचैनी महसूस करते हैं। 70 फीसदी युवाओं का कहना है कि वे ई-मेल और सोशल मीडिया देखे बिना नहीं रह पाते। समझना मुश्किल नहीं कि लत स्मार्टफोन की नहीं बल्कि इंटरनेट से जुड़ी है। ऐसे में इस सुविधा को एडिक्शन बनने से रोकने के लिए स्व-अनुशासन जरूरी है।

अपराध के जाल से बचें: आज बहुत सी आपराधिक गतिविधियां, स्क्रीन इंटरनेट के जरिए आम लोगों तक जा पहुंची हैं। घर के भीतर बैठे लोग भी सुरक्षित नहीं हैं। इसीलिए इंटरनेट से मिली सुविधाओं के इस्तेमाल में सजगता आवश्यक है। फिशिंग, सेक्सटॉर्शन, ड्रग डिलीवरी, तस्वीरें मॉर्फ कर ब्लैकमेलिंग, व्यक्तिगत जानकारियां जुटाकर धोखाधड़ी, अपहरण और जाने क्या-क्या? बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई धोखे और ठगी का शिकार हो रहा है।

भ्रामक संदेशों से बचें: अपराधों के साथ-साथ इंटरनेट अप्रमाणित खबरों यानी अफवाहों का भी अड्डा बन रहा है। इससे सामाजिक रूप से भी असहिष्णुता फैलती है। पूरी दुनिया को जोड़ने वाले इस माध्यम पर मौजूद ऐसी बातें देश-समाज की छवि और सुरक्षा के लिए भी खतरा बनती हैं। इसीलिए इंटरनेट यूजर्स में जवाबदेही का भाव जरूरी है। किसी सूचना, जानकारी की सच्चाई को जाने बिना शेयर कर आगे बढ़ाते रहने की गलती से बचना जरूरी है। दायित्वबोध का यह भाव आभासी संसार के सार्थक और सुरक्षित इस्तेमाल के लिए बेहद जरूरी है। *

लघुकथा
वीरेंद्र बहादुर सिंह

सजी हुई किताबें

बॉस के एयरकंडीशंड ऑफिस में घुसते ही तिवारी के चेहरे पर पसीना आ गया। सामने मेज पर पड़ी नोटों की गड्डियां और बॉस की रहस्यमयी मुस्कान देखकर उसे कुछ समझ में नहीं आया। सत्तर साल की उम्र में भी गजब की फुर्ती रखने वाले उसके बॉस उसके आदर्श थे। बॉस द्वारा बताई गई बातें उसके लिए एक मोटिवेशन थीं।

बॉस ने सामने रखी कुर्सी पर बैठने का इशारा किया और बोलना शुरू किया, 'तिवारी जी, मेरी बात हो गई है, बिल्डिंग के तीन फ्लोर बनवाने के बारे में, परमीशन मिल जाएगी। तुम भरोसे वाले आदमी हो। ये दस लाख रुपया ले जाओ। रात नौ बजे 'होली-डे इन' होटल में तुम्हारे नाम से टेबल बुक कराई है। मिस्टर तुषार तुम्हें वहां मिलेंगे। बस, तुम्हें यह बैग उन्हें देकर उनके साथ डिनर करना है और चले आना है। इसी बहाने फाइव स्टार होटल में खाना खा लोगे।' अपना अंतिम वाक्य पूरा करने के साथ बॉस ने आंख मार दी।

'पर सर यह तो रिश्वत है! हमने ऑलरेडी दो फ्लोर बना लिए हैं।' तिवारी की आत्मा को यह काम करना बेईमानी लग रहा था। इसलिए उसने अपने बॉस से यह बोल दिया।

'अरे, आजकल के नौजवानों को बिजनेस चलाने की समझ ही नहीं है। मुझे किसी दूसरे आदमी को भेजना पड़ेगा। एक बात याद रखना तिवारी, यह बात अगर बाहर गई तो तुम्हारी खैर नहीं। आशा है, तुम बात समझ गए होगे। अब तुम जा सकते हो।' गुस्से में तिवारी को जाने का इशारा करके बॉस किसी को फोन करने लगे। केबिन से बाहर निकलते हुए तिवारी को बॉस के पीछे रखी एक सुंदर शेल्फ में कुछ किताबें दिखाई दीं, जिनके नाम थे- 'सत्य के प्रयोग', 'कर्म के सिद्धांत', 'ईमानदारी का पथ'। वह अपने बॉस का आज एक नया ही रूप देखकर दंग था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

नैसर्गिक असामान्यता की संवेदनशील कथा

भले ही कई पश्चिमी देशों में एलजीबीटी समुदाय को स्वतंत्र निर्णय लेने के अधिकार मिल चुके हैं, लेकिन अपने देश में अभी भी ऐसे लोगों को लेकर सामाजिक और नैतिक जकड़बंदियां हैं। हाल में ही शीर्ष अदालत के इस संबंध में आए एक निर्णय से यह मुद्दा इन दिनों चर्चा में है। बहरहाल, नैसर्गिक असामान्यता के साथ जीने वाले लोगों को किस तरह के मानसिक द्वंद्व और सामाजिक-पारिवारिक उपेक्षा को सहना पड़ता है, इसका अनुमान लगाना कठिन है। ऐसी ही मनोदशा का सामना करने वाले श्लोक और

अनुराग के जीवन की जटिलताओं को, अमित गुप्ता ने अपने उपन्यास 'देहरी पर ठिठकी धूप' में मार्मिकता के साथ व्यक्त किया है। इस उपन्यास में श्लोक की पत्नी मीरा का किरदार, लेखक ने बहुत संजीदगी से गढ़ा है। एक ऐसी महिला जिसका भाई और पति सामाजिक-नैतिक रूप से अस्वीकृत रिश्ते को जी रहे हैं, उसकी मानसिक दशा का आकलन लेखक ने गहनता से किया है। *

पुस्तक: देहरी पर ठिठकी धूप, **लेखक:** अमित गुप्ता, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

व्यंग्य
डॉ. रंजना जायसवाल

कुछ ठहरकर डेंगू के उस मच्छर ने महामहिम मादा मच्छर के सामने सवाल रखा, 'महामहिम आप ही बताएं, इन सामान्य मच्छरों की अपनी थाली का छप्पन भोग अभी कम था, जो दूसरे की थाली में छेद करने चले आ रहे हैं? ये इंसानों के गुण मच्छरों में कब से आ गए?' बात गंभीर थी। आखिर मच्छरों पर इंसानी हरकतें करने का आरोप जो था।

थाली में छेद

मच्छरों में भारी आक्रोश था। बात महामहिम मादा मच्छर के पास पहुंची। उन्होंने दोनों पक्षों को बुलावा भेजा। डेंगू के मच्छर मानो इसी बुलावे के इंतजार में थे। वह तत्काल शहर के प्रेस्टीजियस गंदे नाले दरबार में उपस्थित हो गए। प्रेस्टीजियस इसलिए क्योंकि शहर भर के नाले का समागम इसी नाले में होता था।

मच्छर की प्रजाति में भी महिलाओं का दबदबा था। प्रजाति कोई भी हो, पुरुष निठल्ले ही देखे जाते हैं। यहां भी यही हाल था, शायद इसलिए मच्छरों की मुखिया और महामहिम मादा मच्छर ही होती हैं।

खैर, सबको बुलावा भेजा गया, सामान्य मच्छरों ने आने में थोड़ी आना-कानी की। शायद उन्हें अपनी गलती का एहसास था। दसों दिशाओं में 'भिन-भिन' की आवाज का कोलाहल था। नवजात शिशु से लेकर मरे-अटके पड़े मच्छर भी इस सभा में उपस्थित हुए। डेंगू मच्छर की आंखों में अपमान के आंसू थे। मादा मच्छर ने गंदगी में डूबी वाणी से बोलना शुरू किया, 'आखिर मामला क्या है?'

डेंगू मच्छर के प्रतिनिधि ने बताया, 'महोदया, इस बार सीधे दिल पर चोट दी गई है। एक तो हमें त्योहार की तरह सीजन-सीजन पर ही पूछा जाता है। एडॉक पर नौकरी मिली हुई है। सामान्य मच्छरों को तो साल भर भिन-भिनाने का मौका मिलता है, पर उस पर भी इन्हें चैन नहीं। ये तो बिन पेंदी के लोटा हुए जा रहे हैं।'

इस आरोप के जवाब में सामान्य मच्छरों का कहना था, 'परिवार बड़ा हो रहा है तो उनके पालने की जिम्मेदारी कैसे पूरी करें? इसलिए ओवरटाइम भी कर लेते हैं। कभी-कभी दूसरे के क्षेत्र में भी$$..'

'सीधे-सीधे कहिए टांग अड़ा लेते हैं। डॉक्टर भी डेंगू के नए लक्षण देखकर चकरा गए हैं, उनका कहना है इस बार डेंगू के सिंप्टंप्स बदले हुए हैं।' डेंगू फैलाने वाला एक मच्छर बोला।

इस पर एक अन्य डेंगू मच्छर ने स्पष्ट किया, 'अरे भाई, सीधे कहो न रंग बदले हुए हैं।'

'अरे भाई, हम कोई गिरगिट थोड़ी हैं, ना ही इंसान, जो मौके के हिसाब से रंग बदलें।' सामान्य मच्छर ने अपनी बात रखी। एक अनुभवी डेंगू मच्छर ने अपने समुदाय के दुखड़े को बयां किया, 'अस्पताल डेंगू के मरीजों से भरे पड़े हैं पर मजाल है कि एक खबर अखबार में छप जाए। सरकार भी हमारी बढ़ती हुई लोकप्रियता से बुरी तरह घबराई हुई है। कहीं ऐसा ना हो अगला चुनाव हमारी वजह से न हार जाए, इसलिए भरपूर मीडिया कवरेज भी नहीं मिल पा रही। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि डेंगू के पेशेंट को अगर सामान्य मच्छर भी काट ले और उसके बाद वह सामान्य व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू का पेशेंट हो जाएगा।' कुछ ठहरकर डेंगू के उस मच्छर ने महामहिम मादा मच्छर के सामने सवाल रखा, 'महामहिम आप ही बताएं, इन सामान्य मच्छरों की अपनी थाली का छप्पन भोग अभी कम था, जो दूसरे की थाली में छेद करने चले आ रहे हैं? ये इंसानों के गुण मच्छरों में कब से आ गए?'

बात गंभीर थी। आखिर मच्छरों पर इंसानी हरकतें करने का आरोप जो था। दरबार में सन्नाटा छा गया, शायद इस सवाल का जवाब महामहिम मादा मच्छर जी के पास भी नहीं था। *

श्री राम कथा में कथावाचक शांतनु महाराज ने राम सीता विवाह का किया जीवंत वर्णन

प्रखर जौनपुर। 25 अक्टूबर से बीआरपी इंटर कॉलेज जौनपुर के मैदान में चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिन श्री राम सीता के विवाह का कथा वाचक शांतनु महाराज के मुखारविंदू से लोगों ने सुनी। कथावाचक आचार्य शांतनु महाराज ने प्रभु राम विवाह का जीवंत वर्णन किया। हजारों की संख्या में राम भक्त कथा सुनने बीआरपी मैदान पहुंचे। इसके बाद वातावरण पूरा राममय हो गया। विश्वामित्र के साथ भगवान राम लक्ष्मण का जनकपुर मिथिला जाना और माता जानकी से भगवान की मुलाकात उनकी सखियों का प्रेम प्रसंग फिर राम के साथ सीता विवाह की झांकी ने श्रोताओं का मनमोहन लिया। विवाह के अवसर पर आतिशबाजी भी की गई। शुरूआत में कार्यक्रम के आयोजक व मुख्य यजमान समाजसेवी वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने सभी की अगवानी की और महाराज के हाथों सम्मानित कराया। कथा में मंत्री प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधि शिक्षक सामान्य जन्म शामिल रहे। तथा कथा वाचक शांतनु महाराज ने कहा कि कथा लोगों को जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान देती है। वर्तमान में कार्य से कुछ समय निकालकर कथा का आनंद जरूर लेना चाहिए। क्योंकि काम कभी निपटता नहीं, हम काम पूरा करते-करते स्वयं निपट जाते हैं। काम के बीच राम की भक्ति भी कर लेनी चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि साधक, साधु व सिद्ध तीन तरह के चरण है। साधक यानी सांसारिक व्यक्ति, साधु मतलब जिसे राजमहल भी झोपड़ी लगने लगे और जो दूसरों को साधने की क्षमता रखें वह सिद्ध है। चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, पूर्व सिराज मेंहदी, उच्च शिक्षा आयोग सदस्य हरीश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक दिनेश चौधरी, सुषमा पटेल, डॉक्टर लीना तिवारी, उषा मौर्य, डॉक्टर चंद्र सुभाष सिंह, प्रमुख संदीप सिंह का शांतनु महाराज ने सम्मान के साथ स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र सिंह, उच्च शिक्षा आयोग सदस्य प्रोफेसर आएन त्रिपाठी, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह, विपिन सिंह, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह, दिनेश सिंह बब्बू, सूर्यांश प्रकाश सिंह, सभाजीत द्विवेदी "प्रखर", शिवा सिंह व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चार को सहजनवां आयेंगे सपा मुखिया अखिलेश यादव

प्रखर सहजनवां,गोरखपुर ।सपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 4 नवंबर को सहजनवा भीटी रावत आएंगे वह मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही नाई सम्मेलन भी शिरकत करेंगे । रविवार को सपाईयों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया लोकसभा चुनाव के साथ ही राजनीतिक दल अपनी पेट मजबुत करने पर जुटे हैं सपा भी कार्यक्रमों के जरिए भाग जमाने में जुटी है लोकसभा चुनाव के कुछ महीने पहले 4 नवंबर को सपा मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहजनवा शारदा प्रसाद रावत महाविद्यालय आयेगे। वहा भिटी रावत स्थित स्वर्गी रेशमा रावत की प्रतिमा का अनावरण करेंगे साथी प्रदेश

स्तरीय नाई सम्मेलन भी भाग लेंगे कार्यक्रम की सहमत मिलने के बाद रविवार को सपा के समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर के नेतृत्व मे सपा के नेताओं ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया साथ ही कार्यक्रम को लेकर रणनीति तैयार की इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय नाई महासभा उत्तर प्रदेश ठाकुर राम भवन शर्मा पूर्व विधायक यशपाल सिंह रावत जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम पूर्व विधायक विजय बहादुर यादव जिला उपाध्यक्ष गिरीश यादव रामनाथ यादव दूधनाथ मौर्य राजेंद्र कुमार आलोक यादव प्रदीप यादव चिखुरी यादव अजीत सिंह प्रेम यादव पप्पू जयप्रकाश आदि मौजूद रहे।

सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने फायर ब्रिगेड के साथ साथ यातायात संबंधी नियमों के विषय में ली जानकारी

प्रखर सहजनवा, गोरखपुर ।22 अक्टूबर से चल रहे दस दिवसीय सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-172 भोलाराम इंटर कालेज, सहजनवा में एनसीसी कैडेटो को आठवें दिन कैम्प कैमेंडेंड कर्नल सतीश कवर के नेतृत्व में पुरे प्रदेश में अपनी कार्यशैली से अलग पहचान बनाने वाले टी.एस.आई. राम वृक्ष यादव ने यातायात संबंधी जरूरी जनकारी दी, और बताया की किस प्रकार से हम कुछ सावधानी बरत कर आपने साथ साथ दुसरो को भी सड़क दुर्घटना से बचा सकते है तथा अन्य लोगो को इसके लिए जागरूक कर सकते है ।वही फायर ब्रिगेड सर्विस से आए सब इंस्पेक्टर लाल साहब यादव तथा कांस्टेबल विजय पाल ने कैडेट्स को आग लगने से होने वाली दुर्घटना तथा उनसे किस प्रकार बचाव किया जा सकता है । तथा भविष्य होने वाली घटनाओ से किस प्रकार अन्य लोगो को बचाया जा सकता है ।लेक्चर के बाद आए दोनों अतिथियों को कर्नल सतीश कवर ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर एडम ऑफिसर कर्नल नरेन्द्र डागर, फर्स्ट ऑफिसर भारत सिंह, थर्ड आफिसर सुर्य प्रताप सिह, थर्ड आफिसर पुनीत त्रिपाठी, ले० बंदिता त्रिपाठी, सूबेदार मेजर पवन कुमार, सूबेदार काशी लिम्बू एंव अन्य पी. आई स्टाफ मौजूद रहे ।

खालिसपुर में जनपद स्तरीय खेल रैली का कर्मचारी नेता दुर्गेश श्रीवास्तव ने किया उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को एकल अभियान के तहत अभ्युदय यूथ कलब अंचल गाजीपुर द्वारा खालिसपुर में जनपद स्तरीय खेल कूद का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे, विशिष्ट अतिथि अनुज राय सेवा प्रमुख उपस्थित रहे, प्रथम सत्र में अतिथि द्वारा भारत माता व विवेकानंद के प्रतिमा को माल्यार्पण कर,भगवा ध्वजारोहणकर और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन में वर्तमान सरकार की खेलकूद के प्रति योजनाओं का विस्तृत प्रकाश डाला, और बनवासी आदिवासी और ग्राम पंचायत स्तर पर जिन बच्चों को खेल कूद की प्रतिभा नहीं निखर पाता है, जिसके तहत एकल अभियान का उद्देश्य एक है की जो बच्चों के प्रतिभा है,वह निकाल करके जनपद स्तर से, राज्य स्तर और राष्ट्र स्तर पर उनके प्रतिभा को दिखाने का अवसर दिया जाता है, खेलकूद में रेवतीपुर, करंडा, जमानिया,भदौरा, मरदह, जंगीपुर, सदर, दिलदारनगर, जंगीपुर, भावरकोल, मोहम्मदाबाद से आचार्यो सहित 330 गांव से बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिए, कार्यक्रम में अभियान प्रमुख शिव कुमार, विपिन सिंह, वैभव सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अखिलेश कुमार, राजन मौर्य, बाबू प्रसाद, पंकज, राम सकल, आशुतोष, पिंकी, सुमन वर्मा,सीमा, सुनीता, आरती,प्रीतीलता, कंचन, कंचन राय, रेनू देवी, पद्मावती राय, मीरा यादव, सरिता यादव, ने भाग लिया,कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि और जनपद के कोने-कोने से संच प्रमुख व आचार्यों के प्रति आयोजित प्रभारी ग्राम प्रधान राजेश सिंह,द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

भाजपा मंडल रामनगर ने मन की बात सुनने के साथ मतदाता सूची का अवलोकन कर आईडी वोटर महाचेतना अभियान का किया शुरूआत

प्रखर रामनगर वाराणसी। भाजपा मंडल रामनगर इकाई ने संत विनोबा बंगाली भाई पैलेस में बूथ संख्या 396 पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में सुनने के साथ मंडल के सभी शक्तिकेन्द्रों पर बुथ अध्यक्षों के साथ देश के यशश्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात सुनने के

साथ साथ मतदाता सूची का अवलोकन किया गया तथा सूची को बुथ अध्यक्षो को वितरित किया गया । आज के 106 वें ए?पिसोड मन की बात में देश की यशश्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा वोकल फॉर लोकल का हिस्सा बने तथा यूपीआई से पेमेंट करें स्थानीय कलाकारों के बनाए गए उत्पादों को जरूर खरीदें साथ ही उन्होंने कहा अपने आसपास रहने वाले खिलाड़ियों का मनोबल मनोबल बढ़ाने की अपील की उन्होंने कहा हमारा देश स्पोर्ट्स में परचम लहरा रहा है । माननीय प्रधानमंत्री जी ने बताया 31 अक्टूबर का दिन हम सभी के लिए बहुत विशेष होता है । इस दिन हमारे लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती मनाते हैं हम भारतवासी उन्हें कई वजह से याद करते हैं और श्रद्धा पूर्वक नमन करते हैं सबसे बड़ी वजह है । देश की 580 से ज्यादा रियासतों को जोड़ने में उनके अतुलनीय भूमिका रही है उसी दिन एक बहुत बड़े राष्ट्रव्यापी संगठन की ने रखी जाएगी इस संगठन का नाम होगा मेरा युवा भारत मेरा युवा भारत की वेबसाइट भी शुरू होने वाली है । सभी देश के नौजवान सभी बेटे-बेटी इसकी वेबसाइट पर रजिस्टर करें और विभिन्न कार्यक्रम के लिए साइन अप करें 31 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि भी है । मैं उन्हें भी श्रद्धांजलि देता हूं । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह डॉ अनुपम गुप्ता सुश्री आशा गुप्ता नंदलाल चौहान मधुकर पांडेय सर्वेंद्र विक्रम सिंह सतेंद्र सिंह पिंटू अमित सिंह चिंटू प्रशांत सिंह प्रिती सिंह जितेंद्र पांडेय लव कुमार विवेकानन्द पटेल श्याम सेठ सरोज पटेल पंकज बारी सुनील श्रीवास्तव राजेंद्र शंकर पटेल रितेश पाल संजय बाल्मीकि प्रीति सिंह रामू यादव वीरेंद्र तिवारी संतोष श्रीवास्तव विनोद पटेल अर्जुन शर्मा राजकुमार सिंह अंकित राय आदित्य पटेल निक्की सिंह अमृता दुबे विशाल आनंद आशीष चौहान राजेश गुप्ता अभिषेक कुमार सिंह पटेल शिवम सिंह सेठ भैया लाल सोनकर प्रमुख रूप से रहे।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के द्वारा उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान से नवाजे गए इंजीनियर अमित सिंह

प्रखर लखनऊ/ वाराणसी। देश के पहले कृषक उत्पादक संगठन के अध्यक्ष अमित सिंह को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा उत्कृष्ट कृषक उत्पादक संगठन सम्मान से नवाजा गया है। उत्पादक संगठन एवं औद्योगिक विपणन सरकारी समिति लिमिटेड टिकरी के अध्यक्ष इंजीनियर अमित सिंह को मोटे अनाज के संबंध में किए गए उत्कृष्ट कार्यो को लेकर सम्मानित किया गया। उनकी आय बढ़ाना व पशुपालकों को दुग्ध का उचित मूल्य प्रदान करने जैसे विभिन्न कार्य शामिल है। उनके इस कार्य से आसपास के किसानों की आय में बृहद रूप से वृद्धि हुई है। इसके अलावा

बता दे कि अमित सिंह पिछले कई वर्षों से किसानों के बेहतरी के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। पूर्व में इन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है। उसी क्रम में उन्हें पुनः लखनऊ में आयोजित कृषि समारोह में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के द्वारा कृषक अमित सिंह का कृषक उत्पादक संगठन कृषि के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है, जिसमे कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, कृषि उपज का उचित मूल्य उपलब्ध कराना, दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में किसानों के लिए मिल्क कलेक्शन सेंटर की स्थापना कर मशरूम का प्रशिक्षण ग्रामीण महिलाओं को प्रदान करके सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने का भी लगातार कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषक उत्पादक संगठन के उत्कृष्ट कार्यो की भी सराहना की।

धरसौना में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री डा. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने गिनायी सरकार की उपलब्धियां

प्रखर दानगंज वाराणसी । आज केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद चंदौली डॉ महेंद्र नाथ पाण्डेय अजगरा विधानसभा क्षेत्र के धरसौना बाजार में आयोजित नारी शक्ति सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के विशाल समुह को सम्बोधित करते हुए

महिला कल्याण एवं सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में

उन्होंने बताया कि 2014 के बाद से सरकार ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित कर रही है ।पुर्ववर्ती सरकारों ने महिला सुरक्षा एवं कल्याण को कभी भी प्राथमिकता में नहीं रखा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार का यह मानती है कि जब तक देश कि महिला को आत्मनिर्भर नहीं बनाया जायेगा तब तक देश विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व में अपनी पहचान नहीं बना सकता। महिला आरक्षण के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। लालू मुलायम की पार्टी ने एक समय लोकसभा मे महिला आरक्षण बिल की प्रतियां फाड़कर विरोध जताया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज ऐसा भी समय देश ने देखा जब दोनों दलों ने इस मुद्दे पर अपने हथियार डाल दिए। लालू यादव के दल से जहां कोई महिला सदस्य सदन में उपस्थित नहीं थी तो स्व. मुलायम सिंह यादव बहू ने सदन में मजबूर होकर महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की अन्य योजनाओं प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला कल्याण एवं सुरक्षा हेतु सरकार संकल्पित होकर काम कर रही है। कार्यक्रम की संयोजक अपराजिता सोनकर ने स्वागत सम्बोधन के दौरान इस कार्यक्रम के महत्व एवं उपयोगिता के विषय में अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की क्षेत्र अध्यक्ष नम्रता चौरसिया धन्यवाद जिलाध्यक्ष विनिता सिंह तथा संचालन रेखा चौहान ने किया इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष एव एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक टी राम,मीना चौबे , नागेन्द्र रघुवंशी मुन्ना, रामप्रकाश दुबे, चन्द्रशेखर सिंह अखण्ड सिंह, उमेश दत्त पाठक, श्रीनिकेतन मिश्र,देवब्रत रघुवंशी, विनोद सिंह, गुंजा राय, किरन मिश्रा रामजी मौर्य आदि उपस्थित थे।

पेयजल एवं स्वच्छता समिति कार्यशाला का आयोजन

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। ग्राम सभा मनेछा मैं पेयजल एवं स्वच्छता समिति कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें आंगनबाड़ी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जानकारियां दिलाई गई। ग्राम सभा मनेछा के प्राथमिक विद्यालय शेखपुर मंसूर अली में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता के माध्यम से राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन जल निगम ग्रामीण नममि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की टीम के द्वारा पानी की शुद्धता व पानी के बचाव को लेकर एकत्रित महिलाओं को जानकारी दिया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में अंजू रिसोर्स पर्सन ने बताया कि यह कार्यक्रम जिले के इक्कीसो ब्लॉक में चल रहा है। पानी को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है क्योंकि जल है तो कल है ,जल बचाओ तो बचेगा जीवन, इस मौके पर रिसोर्स पर्सन रेनू मौर्य, ब्लाक कोऑर्डिनेटर यशवंत, आंगनवाड़ी साधना यादव ,पुष्पा यादव, मालती व सहायिका लक्ष्मी यादव, प्रेम शीला यादव ,गायत्री यादव, समूह की अध्यक्ष पूनम शर्मा तथा तमाम ग्रामीण महिलाएं मौजूद रही।

संक्षिप्त खबरें

श्री राम लाल बह्म बाबा मंदिर पर आज से रामलीला प्रारम्भ

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। श्री राम लाल बह्म बाबा राम लीला समिति झाझूपुर द्वारा आज से मंदिर प्रांगण में रामलीला प्रारम्भ किया जायेगा। यह रामलीला धनतेरस तक चलेगी। समिति के अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने बताया कि करीब 450वर्षो पुराना बह्मबाबा का मंदिर है यह एक सिद्धि पीठ है। यहां पर दूर-दूर से भक्त आते हैं। यहां पर15बर्षो से रामलीला का मंचन किया जाता है। यहां कोषाध्यक्ष संतोष बाबा विनीत चौबे प्रदीप तिवारी विपिन कुमार गोलू शुभम तिवारी आदि लोग प्रमुख हैं।

भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के सानिध्य में प्रधानमंत्री के द्वारा प्रसारित मन की बात 106 वें संस्करण को ग्रामीणों ने सुना

प्रखर संतकबीरनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात 106 वें संस्करण को विधान सभा खलीलाबाद कांटे मंडल सेक्टर चंगेरा मंगेरा के बूथ असनहरा में बूथ अध्यक्ष रामदीन राजभर के आवास पर ग्रामीणों द्वारा आयोजित करके सुनाया गया आयोजन के मुख्य अतिथि शैलेश कुमार राजभर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय राजभर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन ने मन की बात 106 वें संस्करण को सैकड़ों ग्रामीणों के साथ सुना एवं कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात को ग्रामीण अपना मूल्यवान समय निकालकर उमंग और उत्साह उर्जा लगाकर ध्यान से सुन रहे हैं और मन की बात पर अमल व चर्चा करते हुए नरेंद्र मोदी जी से प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं यह इस बात को प्रमाणित करता है कि नरेन्द्र मोदी जी 2024 में भी भारी बहुमत से जीतकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और विश्व के शक्तिशाली देशों में भारत राष्ट्र को विश्व का अग्रणी शक्तिशाली राष्ट्र बनायेंगे इस अवसर पर अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन राष्ट्रीय प्रवक्ता सरोजा राजभर, मंडल अध्यक्ष रामनयन शर्मा, मंडल अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रघुनाथ गोंड,सेक्टर अध्यक्ष चंगेरा मंगेरा राधेश्याम गुप्ता, समाजसेवी विजय प्रकाश शुक्ला ,समाजसेवी विजय सिंह उर्फ बबलू सिंह, बूथ अध्यक्ष कमलेश किसान, बूथ अध्यक्ष सन्तोष चौहान, बूथ अध्यक्ष संदीप गुप्ता, बूथ अध्यक्ष अर्जुन चौहान,देवेन्द्र राजभर, इन्द्रेश उर्फ झिनकू, रामसुमिरन, फूलचन्द्र,सुनीता, सुखराम,अनारा देवी,केवलादेवी,बेचू, हरिश्चन्द्र, ठाकुर प्रजापति, उमंग प्रताप सिंह आदि रहें।

पैथ काइंड की तीसरी शाखा का हुआ उद्धघाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पैथ काइंड लैब्स ने अपनी वाराणसी की तीसरी शाखा सिटी न्यूरोलॉजी सेंटर हॉस्पिटल के साथ ट्रांस वरुणा मकबूल आलम रोड खजुरी में 29 अक्टूबर रविवार कों स्थापित किया जिसका उदघाटन मुख्य अथिति डाक्टर एच अंसारी (एमडी चेस्ट) एवं विकास सहदेव मंडल एलपीजी प्रमुख, इंडियन ऑयल ने रिबन काटकर किया उक्त मौके पर सिटी न्यूरोलॉजी सेंटर के निदेशक डाक्टर ए जेड अंसारी (डीएम न्यूरो), डाक्टर राशिद परवेज , डाक्टर जफर इकबाल , डाक्टर नीरज श्रीवास्तव मेजर (रिटा.), राजेश सिंह मौजूद थे` पैथ काइंड की तरफ से डाक्टर रिचा कटियार (एमडी पैथलॉजी ,योगेश पाण्डेय (सिबिएच), गुरु प्रसाद गुप्ता (आरएसएम), हिमांशु कुमार (एएसएम) अपनी टीम के साथ मौजुद थे इस शाखा में पैथ काइंड ने अत्याधुनिक मशीनें टेस्टिंग के लिए लगाई है जिससे मरीजों को सस्ती दरों में क्वालिटी रिपोर्ट कम समय मे मिलेगी।

सहजनवा ब्लाक के ग्राम पंचायत अधिकारी सूरज कुमार निलंबित

प्रखर सहजनवां। डीपीआरओ नीलेश प्रताप सिंह ने सहजनवा में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी सूरज कुमार को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया है। मामले की जांच सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी को सौंपी गई है। परफारमेन्स ग्राण्ट वर्ष 2016-17 में चयनित ग्राम पंचायत भरसाड़ में विकास कार्यों के लिए मंजूर 14.23 करोड़ के सापेक्ष सिर्फ 1.48 करोड़ व्यय होने के चलते यह कार्रवाई हुई है। उसको डीपीआरओ दफ्तर से संबद्ध किया गया है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं